Career Companion
A future begins here ...

नई शिक्षा नीति पर आधारित

सुहानी

हिंदी पाठ्य पुस्तक

Teacher's Manual

Class 6 - 8

Written by :
Author's Team
(Vidyalaya Prakashan)

Career Companion
A future begins here ...
A Unit of Vidyalaya Prakashan
An ISO 9001 : 2008 Certified Co.
● New Delhi ● Meerut

INDEX

Sl. No.	Book Name	Page No.
1.	सुहानी हिंदी – 6	3
2.	सुहानी हिंदी – 7	31
3.	सुहानी हिंदी – 8	62

पाठ - 1 : प्रकृति की शोभा

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. ईश्वर की चतुराई की
2. अद्‌भुत
3. समुद्र का

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. कवि ईश्वर की चतुराई को प्रकृति के कण-कण में देखने के लिए कहता है।
2. सभी प्रकार की ऋतुओं का आना बताता है कि वे अपने साथ नयी शोभा लाती हैं। अलग-अलग ऋतु के आने पर रंग-बिरंगी वनस्पति आती है।
3. ईश्वर की लीला अद्‌भुत व अपरंपार है।
4. कविता में कवि ने प्रकृति की सुंदरता की बहुत-सी विशेषताओं को प्रस्तुत किया है। कवि ने बताया है कि प्रकृति में भांति-भांति के पक्षी, रंग-बिरंगे फूल, वन तथा लहलहाती लताएँ हैं। यहाँ नदियाँ, झील, सरोवर के साथ ही कमल पर भौरों की सुरीली गूंज है। पर्वतों की शिखाओं पर निर्मल झरने हैं तथा ऋतुओं का आना तथा वनस्पति का उगना भी प्रकृति की सुंदरता को बढ़ाता है। यहाँ सूर्य-चंद्रमा की शोभा, दिन-रात का बारी-बारी से आना, अनंत तारा मंडल, समुद्र का पृथ्वी तल पर विस्तार, मेघों के अनंत मंडल, वर्षा होना, बिजली चमकना आदि सुंदर, मनोरम और शोभामान है। यह सब भगवान की अद्‌भुत और अपरंपार लीला है।

ग. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का सरलार्थ लिखिए -

'प्रकृति की शोभा' कविता से ली गयी इन पंक्तियों में कवि श्रीधर पाठक जी प्रकृति की सुंदरता का वर्णन करते हुए कहते हैं कि यदि हम ध्यान से प्रकृति की सुंदर रचना को देखें तो हमें प्रकृति के कण-कण में ईश्वर की चतुराई दिखेगी।

भाषा-बोधः

क. कविता में आए तुकांत शब्दों को लिखिए -

1. सुघराई- चतुराई
2. फूल-मूल
3. गुंज-कुंज
4. चढ़ाव-उतार - महाविस्तार

5. संग = रंग-बिरंग
6. रात = गात
7. विस्तार = अपार
8. संसार = अपरंपार

ख. समान अर्थ वाले शब्द लिखिए -

1. सरोवर = तालाब
2. पर्वत = पहाड़
3. ऋतु = मौसम
4. ईश्वर = भगवान
5. वनस्पति = पेड़-पौधे
6. निर्मल = पवित्र

ग. संधि विच्छेद कीजिए -

1. निर्मल = नि+मल
2. अनंत = अन+अत
3. ईश्वर =
4. संसार = सम्+सार

पाठ - 2 : कालिंदी

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. कालिंदी
2. गेंद से खेलने में
3. 'अ' व 'ब' दोनों
4. कालिंदी

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. कालिंदी एक काले रंग की बिल्ली थी। वह बच्चों को उनके नए मकान की सीढ़ियों पर मिली।
2. खाने के समय कालिंदी चुपचाप अपने स्टूल पर जा बैठती। न तो वह खाने पर झपटती, न लालच ही दिखाती, बस पंजों पर अपना सिर रखे बैठे रहती। माँ उसके प्याले में जब दूध और उबले चावल डाल देती, तब वह आराम से पूँछ उठाकर बड़ी शान से प्याले के तरफ कूद जाती। प्याले के पास पहुँचकर वह गर्दन घुमाकर माँ व बच्चों की तरफ एक बार 'म्याऊँ' बोलकर दूध पीने लगती।
3. जब बच्चे स्कूल का काम कर रहे होते, तब कालिंदी चुपचाप कमरे के कोने में बैठी रहती। इस बीच न तो वह खेलती और न ही कुछ बोलती। बिलकुल मूर्ति की तरह बैठी रहती। शाम को जब सब लोग लॉन में आराम से बैठे होते, तब वह जरूर खेलने की कोशिश करती। वह तेजी से बच्चों के चारों तरफ घूमती, उछलती, झाड़ियों में छिप जाती। गेंद से खेलने में उसे बड़ा मजा आता। बच्चों की छुट्टी का दिन उसके लिए बहुत खुशी का दिन होता। कालिंदी की इन्हीं आदतों के कारण माँ और पिता जी भी उसे धीरे-धीरे प्यार करने लगे थे।
4. कालिंदी को लड़ाई-झगड़ा पसंद नहीं था क्योंकि एक बार

लेखक और उनकी बहन की लड़ाई हो जाने पर, लेखक ने अपनी बहन को मारने के लिए हाथ उठाया तो कालिंदी लेखक के हाथ पर ही कूद पड़ी और ज़ोर-ज़ोर से म्याऊँ - म्याऊँ करने लगी। लेखक ने जब अपनी बहन को छोड़ दिया तभी कालिंदी उसके हाथ पर से उतरी और मीता को प्यार से देखने लगी। इसके बाद दोनों भाई- बहन को रोता हुआ देखकर कालिंदी बारी-बारी से दोनों के पास दौड़कर गई और उन्हें समझाने की कोशिश की कि लड़ाई ना करें।

5. दादी माँ के आ जाने पर कालिंदी को बरामदे में जाना पड़ा क्योंकि दादी उसे पसंद नहीं करती थीं। उनके अनुसार सुबह-सुबह काली बिल्ली को देखना अपशकुन होता है।

6. लेखक के जन्मदिन से पहली शाम दादी माँ ने भगवान के लिए फूलों के कई हार और घर सजाने के लिए गुलदस्ते बनाए। रात के समय जब बहुत तेज बारिश हुई तो दादी माँ को याद आया कि फूलों के गुलदस्ते और हार पूजाघर में बंद रखे हैं। उन्हें खुली हवा में रखने की आवश्यकता थी, इसलिए दादी ने पूजाघर की खिड़की खोल दी। अगली सुबह जब दादी रोजाना की तरह आँखों पर हथेली रखे हुए पूजाघर में गई और भगवान की मूर्ति के आगे साष्टांग प्रणाम करके आँखें खोली तो उन्होंने देखा कि कालिंदी पहले से ही भगवान की मूर्ति के आगे साष्टांग प्रणाम करके लेटी है। इसी घटना से कालिंदी के लिए दादी माँ की भावनाएँ स्नेहपूर्ण हो गईं क्योंकि दादी के अनुसार कालिंदी ने उनसे पहले ही भगवान को साष्टांग प्रणाम कर दिया।

ग. सत्य/असत्य लिखिए -

1. सत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. असत्य
5. असत्य

घ. किसने, किससे कहा ?

1. "आज से हम इसे कालिंदी कहेंगे।"
   लेखक ने अपनी बहन मीता से कहा।
2. "माँ, यह म्याऊँ बोलकर आपको धन्यवाद दे रही है।"
   मीता ने माँ को कहा।
3. "पर सुबह-सुबह काली बिल्ली देखना तो अपशकुन होता है।"
   दादी माँ ने लेखक से कहा।

भाषा-बोध :

क. छात्र स्वयं स्वयं करें।

ख. नीचे दिए गये शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए -

1. साष्टांग - स+अष्ट+अंग
2. सुंदर -
3. आश्चर्य - आः+चर्य
4. प्रणाम - प्र+नाम

ग. छात्र स्वयं करें।

घ. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए -

1. हम आगे बढ़कर उसे गोद में उठा लिया।
   हमने आगे बढ़कर उसे गोद में उठा लिया।
2. गेंद के खेलने में उसे बड़ा मजा आती।
   गेंद से खेलने में उसे बड़ा मजा आता।
3. सड़क पार करके उसने दुकान जाना था।
   सड़क पार करके उसे दुकान तक जाना था।
4. एक रविवार का बात है।
   एक रविवार की बात है।
5. हमारा छुट्टियाँ होने वाला है।
   हमारी छुट्टियाँ होने वाली थीं।

पाठ - 3 : पृथ्वी

क. सही उत्तर के आगे पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. रत्नगर्भा
2. पृथ्वी
3. चालीस हजार किलोमीटर
4. आकर्षित करती है

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. पृथ्वी से हम भोजन, वस्त्र, विभिन्न प्रकार की उपयोगी और मूल्यवान वस्तुएँ, अनाज, फल, सब्जी तथा अनेकों प्रकार के रत्न प्राप्त करते हैं।
2. सोना, चाँदी, हीरा और माणिक्य जैसे रत्नों की खान भी पृथ्वी पर ही है। इसी कारण पृथ्वी को रत्नगर्भा' भी कहते हैं।
3. पृथ्वी अपनी धुरी पर लट्टू की तरह घूमती हुई सूर्य की परिक्रमा करती रहती है। इसी के परिणामस्वरूप दिन और रात बनते हैं। इसी परिक्रमा के कारण ऋतुएँ भी बनती और बदलती रहती हैं।

4. वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी की उत्पत्ति सूर्य से हुई है। उनके अनुसार अनुसार आज से लगभग दस खरब वर्ष पहले यह किसी कारणवश सूर्य से अलग हो गई और उसका चक्कर काटने लगी। उस समय पृथ्वी बहुत गर्म या वायु के रूप में थी। चारों ओर धुआँ-सा भरा हुआ था। धीरे-धीरे हजारों, लाखों वर्षों में ठंडी होने पर यहाँ तेज़ वर्षा होने लगी, जिससे पृथ्वी के धरातल की ऊपरी परत कुछ शांत और स्थायी हुई।

5. वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के सूर्य से अलग होने पर हज़ारों, लाखों वर्षों में पृथ्वी के ठंडी होने पर उसमें जो सिकुड़न आई, उसमें धरातल कहीं ऊँचा और कहीं नीचा होता गया। निचली जगहों में पानी भर गया और इस प्रकार महासागरों की उत्पत्ति हुई।

6. पृथ्वी प्रत्येक वस्तु को अपने केंद्र की ओर आकर्षित करती है, जिस शक्ति से वह वस्तुओं को अपने केंद्र की ओर आकर्षित करती है, वही पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति है।

7. मनुष्य के लिए पृथ्वी की ऊपर परत उपयोगी है क्योंकि यह परत अपेक्षाकृत रूप से पतली है। इसी परत की मिट्टी में मनुष्य अन्न, फल-फूल, साग-सब्जी आदि उगाता है। इसी परत में वे पत्थर भी मिलते हैं, जिन्हें इस्तेमाल कर हम बड़ी-बड़ी इमारतें बनाते हैं।

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. पृथ्वी अपनी **धुरी** पर लट्टू की तरह घूमती है।
2. **सूर्य** से पृथ्वी का जन्म हुआ।
3. सबसे पहले पृथ्वी पर जिस वनस्पति का जन्म हुआ, वह **काई** जैसी थी।
4. पृथ्वी के समान अन्य ग्रहों में भी **आकर्षण** शक्ति है।
5. पृथ्वी हमारे **भरण-पोषण** का आधार है।

घ. सत्य/असत्य लिखिए -

1. असत्य
2. असत्य
3. सत्य
4. सत्य
5. सत्य

भाषा बोधः

क. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए -

1. मूल्यवान मूल्यहीन
2. जन्म मृत्यु

3. आकर्षित विकर्षित 4. आकाश पाताल

5. सार्थक निरर्थक 6. संपन्न विपन्न

ख. निम्नलिखित वाक्यों में आए विशेषण शब्दों को छाँटिए तथा विशेषण के भेद भी लिखिए –

1. पृथ्वी से हम **उपयोगी** और **मूल्यवान** वस्तुएँ प्राप्त करते हैं।
   गुणवाचक विशेषण
2. पृथ्वी की **ऊपरी** परत पतली है।
   गुणवाचक विशेषण
3. पृथ्वी के गोले की परिधि **चालीस हजार किलोमीटर** है।
   परिमाणवाचक विशेषण
4. पृथ्वी की **कुछ** जगहों में पानी भर गया।
   संख्यावाचक विशेषण

ग. निम्नलिखित शब्दों के पहले 'अ' उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए और उसका अर्थ भी लिखिए। उदाहरण देखिए –

	शब्द	उपसर्ग	नया शब्द	अर्थ
1.	शांत	= अ+शांत	= अशांत	= अस्थिर
2.	प्रत्यक्ष	= अ+प्रत्यक्ष	= अप्रत्यक्ष	= अगोचर
3.	ज्ञान	= अ+ज्ञान	= अज्ञान	= अविवेक
4.	स्थायी	= अ+स्थायी	= अस्थायी	= क्षणिक

पाठ – 4 : दुःखी होने का अधिकार

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ –

1. व्यक्ति का समाज में दर्जा 2. सांप ने डंसा था
3. पूजा की दान-दक्षिणा में

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो –

1. मनुष्य की पोशाक उन्हें विभिन्न वर्गों में बाँट देती हैं। जब वह जरा-सा नीचे झुककर समाज के निचले वर्गों की अनुभूति को समझना चाहता है। उस समय यह पोशाक ही बंधन और अड़चन बन जाती है, जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को अचानक से भूमि पर गिरने नहीं देती, उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुकने से रोकती है।

2. लेखक खरबूजे बेचने वाली स्त्री से उसके रोने का कारण जानने के लिए फुटपाथ पर उसके पास नहीं बैठ सका क्योंकि इसमें उसकी पोशाक बाधा बन रही थी अर्थात वह बहुत अच्छ कपड़े पहने हुए था और वह उस गरीब स्त्री के पास अपने स्तर (दर्जा) के कारण नहीं बैठ पा रहा था।

3. खरबूजे बेचने वाली स्त्री के इकलौते पुत्र को सांप ने डंस लिया और उसकी मृत्यु हो गयी थी, जिस कारण वह रो रही थी। उसने अपने बेटे को बचाने के लिये ओझा को बुलाकर झाड़-फूंक करवाया। नागदेव की पूजा करवायी तथा पूजा की दान-दक्षिणा में, घर में कुछ आटा और अनाज था, वह भी दे दिया।

4. लोग खरबूजे बेचने वाली स्त्री के बारे में घृणा से बात कर रहे थे क्योंकि वह अपने बेटे की मृत्यु के अगले दिन ही बाजार में खरबूजे बेचने आ गई थी।

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. खरबूजों के समीप एक **अधेड़** उम्र की औरत बैठी रो रही थी।
2. लोग **घृणा** से उस स्त्री के बारे में बातें कर रहे थे।
3. जैसी नीयत होती है, अल्लाह वैसी ही **बरकत** देता है
4. साँप के **विष** से उसका सब बदन नीला पड़ गया।
5. जब मन को सूझ का रास्ता नहीं मिलता तो **कदम** तेज हो जाते हैं।

घ. किसने, किससे कहा ?

1. ''क्या जमाना है! जवान लड़के को मरे पूरा दिन नहीं बीता और यह बेहया दुकान लगा कर बैठी है।'' - एक आदमी ने कहा
2. "इनके लिए बेटा-बेटी, खसम-लुगाई, धर्म-ईमान सब रोटी का टुकड़ा है।'' - फुटपाथ पर खड़े एक व्यक्ति ने कहा
3. ''कोई इसके खरबूजे खा ले तो उसका ईमान-धर्म कैसे रहेगा?'' - परचून की दुकान पर बैठे लाला जी ने कहा।

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए -

1. मनुष्य = मानव, इंसान
2. पुत्र = बेटा, सुत
3. घर = गृह, भवन
4. औरत = स्त्री, महिला
5. आँख = नयन, नेत्र
6. बदन = शरीर, तन

ख. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए –

1. पड़ौसा – पड़ोस
2. धरम – धर्म
3. सोदा – सौदा
4. तेइस – तेईस
5. घ्रणा – घृणा
6. पतथर – पत्थर

ग. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखाकर अपने शब्दों में प्रयोग कीजिए –

1. फफक-फफक कर रोना – जोर-जोर से रोना

   माँ ने जब बच्चे को खिलौना नहीं दिलाया तो वह फफक-फफक कर रोने लगा।

2. द्रवित होना – मन में दया उत्पन्न होना

   बूढ़ी औरत को रोते हुए देखकर मेरा मन द्रवित हो गया।

3. ठोकरें खाना – नुकसान सहना

   महेश को घर से निकाले जाने के बाद ठोकरें खानी पड़ रही हैं।

घ. निम्न शब्दों के बहुवचन लिखिए –

1. खरबूजा – खरबूजे
2. स्त्री – स्त्रियाँ
3. दियासलाई – दियासलाइयाँ
4. बुढ़िया – बुढ़ियाँ
5. ठोकर – ठोकरें
6. रोटी – रोटियाँ

पाठ – 5 : युगावतार गाँधी

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ –

1. मानवता का
2. आत्म बलिदान
3. नया स्वतंत्र भारत

ख. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो –

1. महात्मा गाँधी जी का जनता पर ऐसा प्रभाव था कि वे जिधर चल पड़ते थे, उसी ओर को सारे भारतवासी चल पड़ते थे। उनके व्यक्तित्व का अजीब प्रभाव देशवासियों पर था।
2. गांधी जी ने जात-पात, ऊँच-नीच के भेदभाव को मिटाने का बहुत प्रयास किया। उन्होंने विभिन्न धर्मों की कुरीतियों का विरोध किया और मानवता के कल्याण के लिए कार्यरत रहे। इस प्रकार गाँधी जी ने नव निर्माण किया।
3. कवि ने कविता में गाँधीजी के लिए शिर-रक्षक, दिग्विजयी युगद्रष्टा तथा युगस्रष्टा संबोधनों का प्रयोग किया है।

4. कवि ने गाँधी जी को साहसी और निडर महापुरुष बताया है। उनके व्यक्तित्व का अजीब प्रभाव देशवासियों पर था। गांधी जी को युग का अवतार कहा गया है। उन्हें आजादी पाने के लिए बहुत सारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा लेकिन गाँधीजी ने पीछे कभी नहीं देखा, निडर होकर चलते ही रहे। गांधीजी ने धर्म की कुरीतियों का विरोध किया और मानव के कल्याण के लिए संघर्षरत रहे। उन्होंने भारत में रामराज्य की स्थापना की चाह की जिसमें कि किसी को कोई कष्ट और परेशानी न हो। वे चाहते थे कि समस्त भारतवासी अंग्रेजों के विरुद्ध खड़े हो जाएं, जिससे भारत आजाद हो जाए। गाँधी जी ने एक नवीन भारत का निर्माण किया।

5. गाँधी जी को युगावतार कहा गया है क्योंकि उन्होंने क्षमा, दया, प्रेम और अहिंसा के सहारे समाज को बदला। गांधी जी आजादी पाने के लिए कभी पीछे नहीं हटे, आगे बढ़ते रहे और सबको यही प्रेरणा दी।

ग. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए -

1. पिसती कराहती जगती के

   प्राणों में भरते अभयदान।

   प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहते हैं कि गाँधी जी ने इस धरती पर जो लोग दर्द से कराह रहे थे, उन लोगों के प्राणों को अभयदान दिया अर्थात उनको निडर किया।

2. कुछ कर्म तुम्हारे संचित कर,

   युग कर्म जगा, युग धर्म तना।

   कवि कहते हैं कि हैं दिव्य पुरुष! तुम्हारे कुछ पुण्य कर्मों को एकत्रित करके ही इस युग के सभी सत्पुरुषों ने अपने कर्तव्य अर्थात अपने कर्म को जाना है।

भाषा बोधः

क. कविता में आए तुकांत शब्दों को लिखिए।

हाथ-माथ, बना-तना, ध्वस्त-व्यस्त, राज-ताज, अभयदान-त्राण, मंत्र-स्वतंत्र।

ख. सुंदर शब्दों को सुंदर क्रम में रखने से ही कविता का निर्माण होता है, नीचे लिखी पंक्तियों के शब्दों को ऐसे क्रम में लगाइए कि वे कविता का रूप ले लें

हर बोलो के मुख बुंदेलों	बुदेले हरबोलों के मुख
थी कहानी सुनी हमने,	हमने सुनी कहानी थी।

वह तो थी रानी झाँसी खूब लडी मर्दानी वह तो
लड़ी मर्दानी खूब। झांसी वाली रानी थी।

ग. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के लिए दो-दो उचित विशेषण लिखिए -

1. भारत - अखंड, अतुल्नीय
2. मंदिर - प्राचीन, ऊँचा
3. खंडहर - ऐतिहासिक, प्राचीन
4. गाँधी जी - सत्यवादी, महान

पाठ - 6 : बचत

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. मनीऑर्डर द्वारा 2. फिजूलखर्ची की
3. पंद्रह

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. अजय की समस्या यह थी कि उसके पास जेबखर्च के लिए पैसे नहीं थे।
2. राहुल ने अजय को बचत करने के लिए यह सलाह दी कि बेकार के खर्च बंद कर दो तथा जैसे ही मनीऑर्डर आए उससे डाकखाने में जाकर बचत खाता खोल लो।
3. फिजूलखर्ची की आदत बुरी है क्योंकि इससे बचत नहीं हो पाती और परिणामस्वरूप किसी को भी उधार लेने की जरूरत पड़ जाती है।
4. बचत के विषय में समझाते हुए राहुल ने अजय को पशुओं के बारे में बताया कि मक्खियाँ, कीड़े-मकोड़े और जानवर तक आड़े वक्त के लिए बचत करते हैं। कुत्ते के पास ज्यादा रोटियाँ आ जाती हैं, तो वह उन्हें छुपाकर रख देता है और जब भूख लगती है, तब निकालकर खाता है। ऊँट लंबे सफर में जाने से पहले इतना पानी पी लेता है कि पंद्रह-बीस दिन तक पानी न भी मिले, तो भी उसका काम चल सकता है।
5. ऐसे व्यक्ति जो समान आर्थिक उद्देश्य के लिए साथ मिलकर काम करना चाहते है, वे समिति बना सकते हैं। इसे सहकारी समिति कहते हैं। राष्ट्रीय बचत योजना सरकार द्वारा शुरु बचत साधन है। इस तरह की योजना का प्राथमिक उद्देश्य बचत की जुटाना और लोगों को एक पर्याप्त कोष नाने में मदद करना है।

   हम प्रत्येक माह अपनी बचत से इकट्ठी रकम को सहकारी

समिति बनाकर उसमें लगा सकते हैं तथा उससे जो भी लाभ होगा, उसे राष्ट्रीय बचत योजना में लगाकर देश की विकास-योजनाओं में योगदान दे सकते हैं।

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. रोज़-रोज़ **उधार** लेने की आदत अच्छी नहीं है।
2. साथ ही साथ हर महीने थोड़ा **बचत** भी करो।
3. थोड़ा थोड़ा बचाकर स्कूल में एक **सहकारी समिति** बना सकें।
4. **सहकारी योजना** में 15 विद्यार्थी अपना नाम लिखवा चुके हैं।
5. मत भूलो कि **बूँद-बूँद** से ही घड़ा भरता है।

घ. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखाकर वाक्य बनाइए -

1. उधार - कर्ज
   हमें कभी भी उधार लेने की आदत नहीं अपनानी चाहिए।
2. फिजूलखर्ची - व्यर्थ का खर्च
   मेरी सहेली बहुत फिजूलखर्ची करती है।
3. खाता - लेखा
   मीना ने बैंक में बचत खाता खुलवाया।
4. विकास - बढ़ना
   आजादी के बाद भारत ने बहुत विकास किया है।
5. आश्चर्य - हैरानी
   मैं आश्चर्य से अक्षरधाम मंदिर की सुंदरता को देखता रह गया।

भाषा बोधः

क उदाहरणानुसार निम्नलिखित वाक्यों को संयुक्त वाक्यों में बदलिए-

1. अजय ने रुपये उधार लेकर खर्चा चलाया।
   अजय ने रुपये उधार लिये और खर्चा चलाया।
2. किसी से रुपए उधार लेकर लौटा दूँगा।
   किसी से रुपए उधार लूँगा और लौटा दूँगा।
3. राहुल ने थोड़ा-थोड़ा धन बचाकर साइकिल खरीदी।
   राहुल ने थोड़ा-थोड़ा धन बचाया और साइकिल खरीदी।
4. स्वयंसेवी संस्था ने लंगर चलाकर भूकंप पीड़ितों की सहायता की।
   स्वयंसेवी संस्था ने लंगर चलाया और भूकंप पीड़ितों की

सहायता की।

5. महात्मा ने प्रवचन देकर लोगों को ज्ञान का पाठ पढ़ाया।

महात्मा ने प्रवचन दिए और लोगों को ज्ञान का पाठ पढ़ाया।

ख. निम्नलिखित समस्त पदों में समास विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए-

	समास पद	समास-विग्रह	समास का नाम
1.	छात्रावास	छात्राओं के लिए आवास	संप्रदान तत्पुष समास
2.	महात्मा	महान है जो आत्मा	कर्मधारय समास
3.	सप्ताह	सात दिनों का समूह	द्विगु समास
4.	कीड़े-मकोड़े	कीड़े और मकोड़े	द्वंद्व समास
5.	फिजूलखर्ची	खर्च जो फिजूल है	कर्मधारय समास

पाठ - 7 : हींगवाला

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. 35 साल
2. पाँच तोले
3. खाना खिलाकर
4. काली का जुलूस देखने की

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. खान ने आँगन में आकर पीठ पर बँधे हुए पीपे को खोलकर नीचे रख दिया और मौलसिरी के नीचे बने हुए चबूतरे पर बैठ गया।

2. खान ने हींग बेचने के लिए सावित्री से कहा कि वह अपने देश को जा रहा है और बहुत दिन बाद लौटेगा। सावित्री ने मना किया तो खान ने बोला कि हीरा हींग है और वह उसके हाथ से दिन की पहली बिक्री करना चाहता है।

3. सावित्री को अपने बच्चों की बातों पर हँसी आ रही थी क्योंकि उन्हें इस बात की नाराजगी हो रही थी कि उनकी माँ ने खान को पैंतीस पैसे दे दिए, पर उन्हें नहीं दिए।

4. होली के अवसर पर हिंदू-मुसलमानों में भंयकर रूप से दंगा हो गया।

5. सावित्री ने बच्चों को काली का जुलूस देखने के लिए नौकर रामू के साथ भेजा क्योंकि उसके बच्चे जिद कर रहे थे और नौकर भी जुलूस देखने के लिए बहुत उत्सुक हो रहा था।

6. सावित्री की चिंता का कारण यह था कि उसके बच्चे नौकर रामू के साथ काली का जुलूस देखने गए थे और बहुत देर तक घर वापिस नहीं लौटे थे। सावित्री को सड़क पर कुछ लोगों ने बताया कि दंगा हो गया है, जिससे कि वह पागल-सी हो गई। सावित्री की चिंता का निवारण खान ने किया।

ग. किसने, किससे कहा ?

1. "अम्मा, हींग ले लो अम्मा।"
   खान ने अम्मा से कहा।
2. "कितने पैसे हुए खान?
   अम्मा ने खान से कहा।
3. ''हींग की कुछ जरूरत न थी।''
   बड़े बेटे ने माँ से कहा।
4. "कभी नहीं, मैं तीस पैसे नहीं लूंगा।''
   छोटे बेटे ने माँ से कहा।
5. ''भेज दो ना माँजी।''
   नौकर रामू ने माँ से कहा।

भाषा-बोधः

क. दिए गए शब्दों में सही स्थान पर अनुस्वार (ं) व अनुनासिक (ँ) लगाइए -

1. आगन - आँगन		2. हीग	- हींग
3. दगा - दंगा		4. हिदू	- हिंदू
5. पैतीस - पैंतीस		6. स्वय	- स्वयं

ख. निम्नलिखित वाक्यों को उदाहरण के अनुसार निषेधात्मक वाक्यों में बदलकर लिखिए -

1. तीनों बच्चे खान के साथ सकुशल लौट आए।
   तीनों बच्चे खान के साथ सकुशल नहीं लौटे।
2. पुलिस का काफी प्रबंध था।
   पुलिस का काफी प्रबंध नहीं था।
3. सावित्री चबूतरे पर बैठी कुछ बुन रही थी।
   सावित्री चबूतरे पर बैठी कुछ नहीं बुन रही थी।
4. हींग खत्म हो गई।
   हींग खत्म नहीं हुई।

5. सावित्री ने कुछ लोगों को रोका।
   सावित्री ने कुछ लोगों को नहीं रोका।

ग. निम्नलिखित शब्दों के वर्ण-विच्छेद कीजिए -

1. पागल - प्+आ+ग+अ+ल्+अ
2. देश- द+ए+श्+अ
3. खुदा - ख्+उ+द्+आ
4. होली - ह्+आ+ल्+ई
5. जुलूस - ज्+उ+ल्+ऊ+स्+अ
6. अम्मा - अ+म्+म्+आ

पाठ - 8 : भक्ति के पद

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. अपने नैनों में
2. सुखदायी
3. गुरु के नाम की

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये -

1. मीरा श्रीकृष्ण के सौंदर्य का वर्णन इस प्रकार करती है कि उनका सौंदर्य अत्यंत आर्कषण है। उनके सिर पर मोर के पंखों से निर्मित मुकुट एवं कानों में मकर की आकृति के कुंडल सुशोभित हो रहे हैं। मस्तक पर लगे हुए लाल तिलक और सुंदर विशाल नेत्रों से उनका श्यामवर्ण का शरीर अतीव सुशोभित हो रहा है। अमृतरस से भरे उनके सुंदर होंठो पर बाँसुरी शोभायमान हो रही है।
2. मीराबाई को राम के नाम का रत्न प्राप्त हो गया।
3. राम के नाम का अलौकिक धन मीरा ने प्राप्त कर लिया और यही ऐसी पूँजी है, जिसे चोर नहीं चुरा सकता और जो दिन-दिन बढ़ती ही जाती है।
4. 'वस्तु अमोलक दी मेरे सतगुरु' इन शब्दों के द्वारा मीरा ने इशारा किया है कि उसके गुरु रविदास ने उसे राम नाम का धन दिया है। इस नाम को पाकर उसने कई जन्मों का धन एवं सभी का प्रेम पा लिया है।
5. काग से हंस होना इस बात का सूचक है जो सदा अपना जीवन सद्गुरु की सेवा में लगा देता है, वह ज्ञान और आदेशों का पालन करते हुए, कौव से हंस बन जाता है। अर्थात् उसके अज्ञान का नाश होता है और ज्ञान का उदय होता है।
6. कबीर अपने ईश्वर अर्थात सतगुरु की विरह में प्रतिदिन तड़पते हैं।

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए –

1. इस पंक्ति का आशय है कि मीरा के प्रभु संतों को सुख देने वाले और अपने भक्तों से प्रेम करने वाले हैं।
2. इस पंक्ति का आशय है कि श्रीकृष्ण को पाकर मीरा ने खुशी-खुशी उनका गुणगान गाया।
3. इस पंक्ति से कबीर जी का आशय है कि मेरे सतगुरु ने मेरी बाँह पकडे रखी, नहीं तो मैं भटक जाता।
4. इस पंक्ति में कबीर जी का आशय है कि जो एक बार उन्हें उनके प्यारे प्रभु मिले तो वह क्षणभर के लिए भी उन्हें अपने से अलग नही होने देंगे।

भाषा-बोध:

क. बिसाल – विशाल माल – माला रसाल – रसीला

उक्त शब्दों को ध्यानपूर्वक पढ़िए। इन शब्दों में कुछ अंतर है। कविता में प्राय: शब्दों का रूप बोली के अनुसार बदल जाता है। शुद्ध हिंदी के शब्द अन्य बोलियों में जाकर परिवर्तित हो जाते हैं। नीचे दी गयी शब्दों की तालिका के सामने उस शब्द का शुद्ध हिंदी रूप लिखिए-

मूरति – मूर्ति	भगत – भक्त
बछल – वत्सल	किरपा – कृपा
जस – यश	बहि – बाहर
अगिनि – आग, अग्नि	द्वार – घर
डारै –	नाही – नहीं

घ. निम्नलिखित पंक्तियों को उदाहरण के अनुसार गद्य रूप में लिखिए –

उदाहरण- पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।

मुझे राम रूपी बड़े धन की प्राप्ति हुई है।

1. बसो मोरे नैनन में नंदलाल।

   ऐ नंदलाल मेरी आँखों में आ बसो।
2. वस्तु अमोलक दी मेरे सतगुरु किरपा करि अपनायो।

   मेरे सतगुरु ने मुझे एक अमूल्य वस्तु दी और कृपा कर मुझे अपना शिष्य बना लिया।
3. मेरे सतगुरु पकड़ी बाहँ, नहि तो मैं बहि जाता।

   मेरे सतगुरु ने मेरी बाँह पकड़ी नहीं तो मैं बह जाता।

4. नजर करो अब मेहर की, मोहिं मिलो गुसाई।

मेरे प्रभु अपनी कृपा की नजर मुझ पर करो ताकि मुझे लगे की मुझे मेरा ईश्वर मिल गया।

पाठ - 9 : डॉ. भीमराव अम्बेडकर

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. भीमाबाई
2. कबीरपंथी
3. सन् 1908 में
4. कानून मंत्री बने

घ. निम्ननिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये -

1. डॉ० अंबेडकर का जन्म मध्य प्रदेश में महु छावनी में 14 अप्रैल, 1891 ई० को हुआ था।
2. डॉ० अंबेडकर का नाम अविस्मरणीय है क्योंकि उन्होंने समाज के दलित दीन-हीन के मान-सम्मान के लिए जीवनभर संघर्ष किया था।
3. भीमराव को बचपन में ही छुआछूत के कारण स्कूल में अलग बैठना पड़ा। सब बालक उन्हें छूने से बचते थे। अछूत होने के कारण नाई ने उनके बाल काटने को मना कर दिया। एक बार गाड़ीवान ने उन्हें अपनी गाड़ी पर बैठाने से इंकार कर दिया। उन्हें बड़ी जातिवालों के कुँओं पर पानी पीने से रोक दिया गया।
4. डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रारंभिक शिक्षा दापोली और सातारा में हुई। सन् 1908 ई0 में उन्होंने हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की। बड़ौदा नरेश ने मेधावी भीमराव को छात्रवृत्ति देकर उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका भेजा, जहाँ उन्होंने एम.ए. और पी.एच.डी. की उपाधियाँ प्राप्त की। सन् 1916 ई० में वह लंदन पहुँचे। यहाँ राजनीति, अर्थशास्त्र और कानून का अध्ययन करने लगे, किंतु एक वर्ष बाद ही बड़ौदा के दीवान के पत्र से इन्हें सूचना मिली कि इनकी छात्रवृत्ति की अवधि समाप्त हो गई है; अतः इन्हें पढ़ाई बीच में ही छोड़कर भारत लौटना पड़ा। जुलाई, 1920 में वह फिर लंदन चले और गए और वहाँ पुस्तकालय में बैठकर लगातार बारह घंटों तक मनोयोग से पढ़ते थे। वहाँ से बैरिस्टर और डी०एस०सी० की उपाधि प्राप्त कर सन् 1923 ई० में वह भारत लौटे।
5. डॉ. अंबेडकर के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें अन्याय के विरुद्ध चुप नहीं बैठना चाहिए बल्कि उसका खुलकर विरोध करना चाहिये। हमें समाज में प्रचलित कुरीतियों

की आँख बंद करके उन्हें अपनाने के बजाय उनका विरोध करना चाहिए। व्यक्ति अपनी योग्यता एवं क्षमता से ही उच्च पद प्राप्त करता है एवं सम्मान पाता है।

6. सन् 1930 ई० तथा 1931 ई० में डॉ० अंबेडकर ने लंदन में पहली तथा दूसरी गोलमेज परिषद् में भाग लिया। और इन्होंने अछूतों की समस्याओं के बारे में प्रभावशाली भाषण दिया। दलितों के उत्थान के लिए उनके अपने विचार थे। वह सच्चे देशभक्त थे। उन्होंने दलितों के लिए आरक्षण की माँग मनवाकर ''पूना पैक्ट'' पर हस्ताक्षर किए और समाज में सद्भाव बनाए रखने का सराहनीय कार्य किया। वह आजाद भारत के पहले कानून मंत्री थे। डॉ० अंबेडकर संविधान-प्रारूप के निर्माण हेतु बनाई गई उपसमिति के अध्यक्ष बनाए गए। भारतीय संविधान का मुख्य निर्माता उन्हीं को माना जाता है।

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. भीमराव की प्रारंभिक शिक्षा **दापोली** और **सातारा** में हुई थी।
2. बालक भीमराव पढ़ने में **कुशल** थे।
3. अंबेडकर की **ज्ञानपिपासा** बहुत प्रबल थी।
4. दलितों के **उत्थान** के लिए उनके अपने विचार थे।
5. डॉ० अंबेडकर को **समानता का प्रतीक** कहा जाता है।

घ. सुमेलित कीजिए -

1.	सन् 1891	स.	अंबेडकर का जन्म
2.	सन् 1908	ल.	हाई स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण
3.	सन् 1916	र.	अंबेडकर लंदन पहुँचे
4.	सन् 1923	य.	डा. अंबेडकर का भारत लौटना
5.	सन् 1930	द.	प्रथम गोलमेज अधिवेशन
6.	सन् 1931	ब.	दवितीय गोलमेज अधिवेशन
7.	सन् 1956	अ.	अंबेडकर का निधन

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों में से शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए-

		मूल शब्द	प्रत्यय
1.	अविस्मरणीय	अविस्मरण	ईय
2.	मासिक	मास	इक
3.	अस्पृश्यता	अस्पृश्य	ता
4.	सराहनीय	सराहना	ईय

ख. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए और समास का नाम बताइए –

समस्त पद	विग्रह	समास का नाम
1. भारत रत्न	भारत का रत्न	संबंध तत्पुरुष समास
2. बाल-विवाह	बालक का विवाह	संबंध तत्पुरुष समास
3. समाज सेवा	समाज की सेवा	संबंध तत्पुरुष समास
4. छात्रवृत्ति	छात्रों के लिए वृत्ति	संप्रदान तत्पुरुष समास

पाठ – 10 : वीरों की पूजा

पाठ-बोध:

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ –

1. पीले रंग का
2. झूमते हुए मस्ती से
3. जौहर-व्रत करना

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. मतवाले युवक चित्तौड़ की ओर चले हैं। वे स्वतंत्रता के लिए वीरों के बलिदान के साक्षी चित्तोड़ दुर्ग की पूजा करने जा रहे हैं।
2. कवि के अनुसार वीरों के लिए तीर्थ चित्तौड़ की भूमि है।
3. चित्तौड़ का दुर्ग हमेशा स्वतंत्र रहा है। वह बहुत मजबूत है। जब उस पर मुगल सैनिको ने आक्रमण किया तो उनकी ललकार सुनकर जवानों की टोली तलवारें लेकर निकल पड़ी।
4. स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए बच्चों ने अपना जीवन बलिदान करना सीखा।
5. सन्यासी का दीप और माला चित्तौड़ के दुर्ग पर चढ़ेंगे।

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का सरलार्थ लिखिए –

1. अपने अचल स्वतंत्र दुर्ग पर
   सुनकर बैरी की बोली,
   निकल पड़ी लेकर तलवारें,
   जहाँ जवानों की टोली।

उत्तर: कविता की इन पंक्तियों का सरलार्थ यह है कि तीर्थराज चित्तौड़ ऐसा है, जो अपने अचल दुर्ग पर शत्रुओं की बोली या आक्रमण की आवाजें सुनकर जोश से भर गया था, जहाँ से शत्रुओं का मुकाबला करने के लिए जवानों की टोली तलवारें

लेकर निकल पड़ी।

2. सुंदरियों ने जहाँ देशहित,
जौहर-व्रत करना सीखा,
स्वतंत्रता के लिए जहाँ,
बच्चों ने भी मरना सीखा।

उत्तर: कविता की इन पंक्तियों का सरलार्थ यह है कि तीर्थराज चित्तौड़ ऐसा गौरवशाली है कि वहाँ की सुन्दर स्त्रियों ने देश की भलाई की खातिर जौहर व्रत करना सीखा अर्थात अपने सतीत्व की रक्षा के लिए आग की लपटों में जीवन मिटा देना या आत्म-बलिदान करना सीखा। जहाँ के बच्चों ने मातृभूमि की स्वतंत्रता की खातिर प्राणों का त्याग अथवा बलिदान करना सीखा।

भाषा बोधः

क. कविता में से छाँटकर निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए -

1. भूल - फूल
2. बोली - टोली
3. होली - बोली
4. धूल - फूल

ख. निम्नलिखित मूल शब्दों के साथ 'ई' प्रत्यय जोड़कर नया शब्द बनाइए -

जैसे सन्यास + ई = सन्यासी

1. मंडल - मंडल + ई = मंडली
2. बैर - बैर + ई = बैरी
3. मस्त - मस्त + ई = मस्ती
4. प्यास - प्यास + ई = प्यासी
5. बोल - बोल + ई = बोली

ग. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए -

1. पीतांबर - पीला है अंबर जिसका अर्थात कृष्ण
2. नीलकंठ - नीला है कंठ जिसका अर्थात शिव
3. दशानन - दस हैं आनन जिसके रावण
4. षट्कोण - छः कोणों का समूह
5. महात्मा - महान है आत्मा जिसकी

पाठ - 11 : जल : हमारा जीवन

पाठ बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. अमृत समान
2. 72 प्रतिशत
3. 'अ' व 'ब' दोनों

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. जल के स्रोतों वर्षा, नदी, झरने, समुद्र, तालाब, कुआँ, नहरें, महासागर आदि।
2. जल का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है। इसका अन्य कोई विकल्प नहीं है। यह हमारी प्यास बुझाने के साथ-साथ हमारे दैनिक कार्यों को पूरा करने के लिए अति आवश्यक है। अतः 'जल' ही जीवन है।
3. नदियों एवं वर्षा और बर्फ पिघलने से पानी रिसकर विभिन्न दरारों से भूमि के अंदर प्रवेश करता है, यही जल भूमिगत जल कहलाता है।
4. पानी हमारी प्यास बुझाने, पेड़-पौधों व फसलों की सिंचाई के काम, बिजली बनाने के लिए, खाना बनाना, नहाना, कपड़े धोना, सफाई करना इत्यादि कार्यों में काम आता है।
5. जल के प्रदूषित होने के कारण कल-कारखानों तथा घरों के कचरे से निकले विषैले पदार्थ हैं जो कि जल निकास नालों से निकलने वाले गंदे पानी के साथ नदियों, झीलों, समुद्र आदि में प्रवाहित होते हैं। इसके अलावा, जल स्रोतों के पास जानवरों को नहलाना, कपड़े धोना, स्वयं नहाना इत्यादि क्रियाएँ भी जल के प्रदूषित होने का कारण हैं।
6. हम जल के संरक्षण और भंडारण के लिए गिलास में उतना ही पानी भरें जितनी कि हमें जरूरत है; ब्रश करते समय नल की टोंटी खोलकर ना रखें। जब कुल्ला करना हो, तभी नल खोलें। इससे पानी की बचत होती है। इसी प्रकार, नहाते समय बाल्टी में पानी लेकर मग से पानी डालकर नहाने से भी पानी कम खर्च होता है। आँगन और कमरों को धोने की बजाय अगर बाल्टी में थोड़ा पानी डालकर पोंछा लगाया जाए तो भी पानी की बचत होती है। फल-सब्जी धोने के बाद उस पानी को पेड़-पौधों में डाल देना चाहिए। इसी प्रकार, कपड़े बरतन और कार धोते समय भी अगर थोड़ी सावधानी बरती जाए तो बहुत सारा जल बच सकता है।

ग. रिक्त स्थान भरिए –

1. सृष्टि के पाँच प्रमुख तत्त्वों में **जल** शामिल है।
2. **बाढ़** से वर्षा व नदियों का अधिकांश जल बह जाता है।
3. **रेगिस्तान** में साल-साल भर तक पानी नहीं बरसता।
4. बहुत अधिक मात्रा में **वनरोपण** किया जाना चाहिए।
5. **बहुमूल्य** जल को नष्ट करने का अधिकार किसी को भी नहीं है।

घ. सत्य या असत्य लिखिए –

1. असत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. असत्य
5. सत्य

भाषा-बोध:

क. पढ़िए, समझिए और ऐसे ही अन्य तीन-तीन शब्द और लिखिए-

1.	थ् + व = थ्व	पृथ्वी			
2.	स् – त = स्त	रेगिस्तान	गुलदस्ता	आहिस्ता	स्तर
3.	न् – न = न्न	विभिन्न	अन्न	गन्ना	संपन्न
4.	ल् – प = ल्प	संकल्प	विकल्प	अल्प	शिल्प
5.	ल् – ल = ल्ल	कुल्ला	बिल्ली	छल्ला	दिल्ली

ख. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए –

1. जल = पानी, नीर
2. अमृत = सुधा, सोम
3. वर्षा = बरसात, बारिश
4. नदी = सरिता, तटिनी
5. वन = जंगल, कानन

ग. नीचे दिए गए अनेकार्थक शब्दों के दो अलग-अलग अर्थ लिखाकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

1. कल (बीता हुआ या आने वाला कल) – कल से मेरी वार्षिक परीक्षा शुरु होगी।

   (मशीनें) कारखाने के सभी कल-पुर्जे खराब हो गए हैं।

2. जगत (संसार)– जगत का स्वामी भगवान है।

   (कुएँ का चबूतरा) कुएँ की जगत पर रस्सी के अनेकों निशान हैं।

3. भाग (हिस्सा)- मैंने अपने भाग की जमीन में आम के पौधे लगाये हैं।

(दौड़ जाना) तुम यहाँ से भागकर कहीं नहीं जा सकते।

पाठ - 12 : असली माँ

पाठ बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. फ्लेट की मालकिन
2. निधि को
3. लाल टिब्बा
4. मिसेज़ जेम्स की बेटी का

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये -

1. पूजा और सुनील निधि को यह कहकर चिढ़ाते थे कि मिसेज जेम्स उसकी असली माँ है क्योंकि वह हर समय निधि के खाने-पीने के लिए कुछ-न-कुछ लेकर आती थीं और उसे बहुत ज्यादा प्यार करती थी।
2. निधि ने मिसेज जेम्स से चॉकलेट लेने से इंकार कर दिया क्योंकि उसका भाई सुनील उसे दूर से देख रहा था और उसे डर था कि वह उसे बाद में चिढ़ाएगा।
3. निधि ने अपने भाई-बहन के साथ लाल टिब्बा जाने की जिद की क्योंकि मिसेज़ जेम्स ने उसे अपने घर दोपहर के खाने पर बुलाया था और वह वहाँ जाने से बचना चाहती थी।
4. मिसेज़ जेम्स निधि के लिए परेशान हो रही थी क्योंकि निधि उन्हें बिना बताए अपने भाई-बहन के साथ घूमने चली गई थी।
5. मिसेज़ जेम्स ने, केक पर दस मोमबत्तियाँ जला रखी थीं क्योंकि उस दिन उनकी बेटी का दसवां जन्मदिन था पर दो साल पहले बुखार होने से अचानक उसकी मौत हो गई थी।
6. मिसेज़ जेम्स निधि को बहुत प्यार करती थी क्योंकि वह रोज निधि को मिलने आती थी। वह उसके लिए चॉकलेट लातीं तो कभी केक बनाती। वह निधि को ज्यादा-से-ज्यादा समय अपने पास रखने के लिए कोई-ना-कोई बहाना ढूँढ लेतीं। निधि के पेट में दर्द होने पर वह स्वयं उसके लिए दवाई की शीशी ले आती, जब निधि उन्हें बिना बताए अपने भाई-बहन के साथ घूमने चली गयी, तब भी वह बहुत परेशान हुईं। उन्होंने अपनी मरी हुई बेटी का दसवां जन्मदिन भी निधि के साथ केक काटकर और खाना खाकर मनाया। अतः इन सब बातों से पता चलता है कि वह निधि को बहुत प्यार करती थीं।

ग. किसने, किससे कहा –

1. "इधर आओ, देखो मै तुम्हारे लिए क्या लाई हूँ?''

उत्तर: मिसेज जेम्स ने निधि से कहा।

2. "अजी, निधि की 'असली माताजी', आप ही हमारे पास आ जाओ!''

उत्तर: सुनील ने मिसेज जेम्स से कहा।

3. "तुम निधि जितनी छोटी हो जाओ।''

उत्तर: सुनील ने पूजा से कहा।

4. "ये मिसेज जेम्स मेरे पीछे क्यों पड़ी रहती हैं?''

उत्तर: निधि ने अपनी माँ से कहा।

5. ''तुम लोग निधि को क्यों चिढ़ाते रहते हो?''

उत्तर: माँ ने पूजा और सुनील से कहा।

भाषा-बोध :

क. नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थी या मिलते-जुलते शब्द लिखिए –

1. दवाई = औषध
2. हिदायत = अनुदेश
3. दर्द = पीड़ा
4. खुशकिस्मत = सौभाग्यशाली
5. मजा = आनंद
6. ढूँढ़ना = खोजना

ख.. कुछ क्रियाएँ अनुकरण के आधार पर बनती हैं, वे अनुकरणात्मक क्रियाएँ कहलाती हैं। जैसे- 'बड़बड़' से 'बड़बड़ाना'।

इसी प्रकार, दिए गए शब्दों से अनुकरणात्मक क्रियाएँ बनाइए-

1. खटखट – खटखटाना
2. भिनभिन – भिनभिनाना
3. चीं-चीं – चींचींयाना
4. थप-थप – थपथपाना
5. टिम-टिम – टिमटिमाना
6. थर-थर – थरथराना

ग. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए –

1. कहाँ हो तुम
   कहाँ हो, तुम?
2. मिसेज़ जेम्स निधि को प्यार करती हैं
   मिसेज़ जेम्स निधि को प्यार करती हैं।
3. तुम लोग निधि को क्यों चिढ़ाते रहते हो
   तुम लोग निधि को क्यों चिढ़ाते रहते हो?

4. आसमान एकदम साफ नीला-नीला दिख रहा था
आसमान एकदम साफ नीला-नीला दिख रहा था।

5. आपकी बेटी कहाँ है आंटी
आपकी बेटी कहाँ है, आंटी?

पाठ - 13 : आगे बढ़ो

पाठ बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. संसार का सुख
2. संकटों से
3. मन से
4. भोजन के लिए

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. कवि के अनुसार हमें आगे बढ़ते रहने के लिए मार्ग की बाधाओं को दूर करके, एकता का प्रसार करते हुए समय के साथ चलना चाहिए।
2. संसार को समरस्थली कहा गया है क्योंकि यह पूरा संसार और मनुष्य का जीवन ही एक युद्ध भूमि है।
3. हम कर्मवीर बनकर अपने मार्ग की बाधाओं को दूर कर सकते हैं। इन बाधाओं को दूर करने के लिए हमें एकता का प्रसार करना होगा। हमें इन बाधाओं से कभी नहीं डरना चाहिये।
4. 'है सामने का ग्रास भी मुख में स्वयं जाता नहीं।' कविता की इस पंक्ति से कवि का आशय है कि परिश्रम किए बिना तो सामने का भोजन भी मुँह में नहीं जाता।
5. कवि के अनुसार वास्तविक चीजें मनुष्य की तुलना में अच्छी हैं क्योंकि मनुष्यों में एक-दूसरे से ईर्ष्या की भावना के कारण एकता नहीं है, मनुष्य एक-दूसरे को ही दुख देते हैं। परंतु वास्तविक चीजें एक दूसरे से परस्पर मेलजोल रखती हैं। जैसे- दीपक स्वयं कष्ट सहकर दूसरों को प्रकाश देता है।
6. हमें समय के अनुसार चलना चाहिए क्योंकि समय परिवर्तनशील होता है। पुरानी बातें नये समय में बेकार हो जाती हैं और अगर हम समय के अनुसार नहीं बदलते तो हम सारे जग से पीछे रह जाएँगे।

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का सरलार्थ लिखिए -

1. संसार की समरस्थली में धीरता धारण करो,
चलते हुए निज इष्ट पथ में संकटों से मत डरो।

जीते हुए भी मृतक-सम रहकर न केवल दिन भरो,

वर-वीर बनकर आप अपनी विघ्न-बाधाएँ हरो ।।

उत्तर: सरलार्थ- कवि कहता है कि संसार की युद्ध भूमि पर धैर्य रखना सीखो। रास्ते में आने वाली विघ्न-बाधाओं से मत डरो। जीवित होते हुए भी मृत की तरह जीवन मत बिताओ। वीर की भांति तुम अपने रास्ते में आने वाली सारी बाधाएँ पार करते हुए चलो।

2. रखो परस्पर मेल मन से छोड़कर अविवेकता,

मन का मिलन ही मिलन है, होती उसी से एकता।

तन मात्र के ही मेल से मन भला मिला कहीं,

है बाह्य बातों से कभी अंत: करण खिलता नहीं।

उत्तर: सरलार्थ- कवि कहते हैं कि परस्पर मेलजोल से ही एकता का विकास होता है। सिर्फ बाहरी एकता नहीं, बल्कि आंतरिक एकता होनी चाहिए। केवल बाहरी और दिखावे की दोस्ती से कुछ नहीं मिलता है।

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए -

1. संसार - सम्+सार
2. संकट - सम्+कट
3. संताप - सम्+ताप
4. सदैव - सदा+एव

ख. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए -

1. संसार - जगत, विश्व
2. पथ- राह, रास्ता
3. दीप - दीपक, दीया
4. हवा - वायु, पवन

ग. विलोम शब्द लिखिए -

1. एकता - अनेकता
2. जड़ - चेतन
3. बाधा - सहायता
4. पूर्व - पश्चात/पश्चिम
5. नित्य - अनित्य
6. मिलन - जुदाई

पाठ - 14 : व्यवहार-कुशलता

पाठ बोध:

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. मधुर एवं उचित
2. कर्मक्षेत्र
3. मनुष्यता
4. समय का सही उपयोग करें

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये –

1. हमें अपने मित्रों या संबंधियों से मिलकर कोमल, मधुर और उपयुक्त व्यवहार करना चाहिए।
2. यदि समाज में रहने वाले लोग आपस में अच्छा व्यवहार करते हैं तो समाज में शांति और उन्नति रह सकती है।
3. अच्छे और सभ्य व्यवहार के यह लक्षण हैं कि हमें अपने मित्रों परिचितों के सुख-दु:ख में उनका साथ देना चाहिए। विशेष रूप से उनके दु:ख में हमदर्दी जताना मनुष्यता है। हमारी बातों और हमारे व्यवहार में ऊपरी व दिखावटी बनावट नहीं होनी चाहिए।
4. हम अपने कोमल व्यवहार के कारण किसी की तारीफ के पात्र बन सकते हैं।
5. झूठे वादों से मनुष्य दूसरों की नजरों में गिर जाता है और कभी भी किसी की नजर का सामना नहीं कर पाता।
6. समय का सदुपयोग करने के लिए दूसरों से बातें करते समय यह ध्यान रखें कि केवल काम की बात करें, बेकार की बातें करके अपना और अपने साथियों का समय नष्ट न करें। समय कीमती होता है, उसे बेकार ही नष्ट करना बुद्धिमानी नहीं।

ग. रिक्त स्थान भरिए –

1. हम दूसरों के सामने अपने **विचार** रखते हैं।
2. सुखी जीवन बिताने के लिए व्यवहार में **कुशलता** आवश्यक है।
3. अपने अच्छे व्यवहार की **तारीफ** सभी चाहते हैं।
4. समय कभी किसी पर भी **दया** नहीं करता।
5. **अनुशासित** व्यवहार ही सभ्य जीवन की पहचान है।

भाषा-बोध:

क. निम्नलिखित विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए –

उदाहरण : मधुर – मधुरता

1. कुशल – कुशलता
2. सरल – सरलता
3. सभ्य – सभ्यता
4. सफल – सफलता
5. आवश्यक – आवश्यकता

ख. ऐसे पाँच शब्द लिखिए जिनमें 'इक' प्रत्यय जुड़ा हो; जैसे : साप्ताहिक।

धार्मिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, मौलिक, दैनिक।

ग. निम्नलिखित अनेकार्थक शब्दों के दो अलग-अलग अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

1.	फल - परिणाम	कल दसवीं कक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम आएगा।
	फल- जैसे: आम, केला आदि	हमें रोज़ फल खाने चहिए।
2.	पात्र - बरतन	भगवान कृष्ण को चांदी के पात्र में खीर का भोग लगाया गया।
	हकदार	रमेश प्रथम पुरस्कार पाने का पात्र है।
3.	मत - वोट	अठारह वर्ष की आयु में हमें मत देने का अधिकार मिलता है।
	मनाही करना	शोर मत करो।

पाठ - 15 : बलिदानी मैना

पाठ बोध:

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए -

1. नाना साहब का अंगरक्षक 2. बिटूर
3. भतीजी

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. सन् 1857 में नाना साहब ने कानपुर से अंग्रेजों को खदेड़ दिया था। इसलिये क्रांतिकारी सैनिकों ने नाना साहब को कानपुर का शासक घोषित कर दिया था।
2. क्रांतिकारी सैनिक, अंग्रेजी महिलाओं और बच्चों के साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहते थे जैसा कि अंग्रेजों ने भारतीय महिलाओं और बच्चों के साथ किया था।
3. अंग्रेजों ने निहत्थे माधव का सिर एक ही बार में तलवार से उड़ा दिया, जिससे उसकी मौत हो गयी।
4. मैना से नाना साहब के बारे में बार-बार पूछने पर भी जब कुछ पता न चला तो अंग्रेजों ने उसे पेड़ से बँधवा दिया। भीषण गरमी में प्यास से नैना का गला सूख रहा था। पर उसने अंग्रेजों से पानी न माँगा। वह मन-ही-मन सोच रही थी कि यदि उसे बाँधा न गया होता तो वह उनको ऐसा मजा चखाती कि वे

जीवनभर याद करते। एक अंग्रेज सैनिक ने उस पर कोड़े बरसाने शुरु किए। मैना के होंठ और गला प्यास के मारे सूख रहे थे, जिससे उसके होठों पर पपड़ियाँ जम गई थीं। उसे कोड़े लगाये गये। अंग्रेजों ने पेड़ के आसपास लकड़ियाँ चुनकर चिता-सी बना दी और वे फिर से उसे डरा-धमकाकर क्रांतिकारियों के बारे में तो मैना पूछने लग ने उनके मुँह पर थूक दिया। क्रोधित होकर उन कायरों ने चिता को आग लगा दी। मैना आग की भयंकर लपटों से झुलसने लग गई और देश की खातिर उसने अपने प्राण त्याग दिए।

5. मैना को साहसी और बलिदानी वीरांगना कहा गया है क्योंकि, उसने अपने साहस को दिखाते हुए अंग्रेजों को नाना साहब और अन्य क्रान्तिकारियों का पता नहीं बताया। उनके अत्याचारों को सहते-सहते मैना ने अपने प्राणों का बलिदान तक कर दिया।

6. वृक्षों ने अपनी झुलसी हुई पत्तियाँ और डालियाँ हिला-हिलाकर उस साहसी और बलिदानी वीरांगना 'मैना' को श्रद्धांजलि अर्पित की।

ग. सत्य/असत्य लिखिए -

1. सत्य
2. असत्य
3. असत्य
4. सत्य
5. सत्य

भाषा-बोध:

क. नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए -

1. दासता - स्वाधीनता
2. सुंदर - कुरूप
3. कठोर - कोमल
4. क्रोधित - शांत
5. कायर - वीर
6. कष्ट - सुख

ख. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर भेद भी लिखिए-

1. मैं दिल्ली में रहता हूँ।
   दिल्ली - व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. नाना साहब अपनी अगली भिड़ंत के लिए तैयारी कर रहे थे।
   नाना साहब - व्यक्तिवाचक संज्ञा
3. कक्षा में प्रथम आने पर सुरेश आनंदित हुआ।
   कक्षा - समूहवाचक संज्ञा
   सुरेश - व्यक्तिवाचक संज्ञा

आनंदित – भाववाचक संज्ञा

4. पुस्तकालय से ली गई पुस्तकों को फाड़े नहीं।

पुस्तकालय – समूहवाचक संज्ञा

पुस्तकें – जातिवाचक संज्ञा

ग. नीचे लिखे शब्दों के तत्सम एवं तद्भव रूपों का उचित मिलान कीजिये –

	तत्सम	तद्भव
1.	उष्ट्र	ऊँट
2.	स्वर्ण	सोना
3.	मयूर	मोर
4.	मृदा	मिट्टी
5.	अश्रु	आँसू
6.	लौह	लोहा
7.	कुम्भकार	कुम्हार
8.	दुग्ध	दूध
9.	अर्ध	आधा
10.	दधि	दही

सुहानी - 7

पाठ - 1 : वरदान मागूँगा नहीं

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. महासंग्राम 2. विश्व की संपत्ति
3. हृदय को ताप एवं अभिशाप प्राप्त होने पर

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. कवि दया की भीख नहीं लेना चाहता। इससे कवि के स्वाभिमानी स्वभाव का पता चलता है।

उत्तरः 2. जीवन संग्राम में संघर्षरत रहना ही मनुष्य का कर्तव्य है। इसमें विजय भी होती है और हार भी। अतः यह भी सही, वह भी सही का प्रयोग परिस्थितियों के लिए किया गया है। दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

उत्तरः 3. कवि कहते हैं कि तिल-तिल मिट जाने के बाद भी जीवन रूपी संग्राम में हमारा शरीर भले ही थोड़ा-थोड़ा करके घिस जाए लेकिन वह फिर भी किसी से दया नहीं चाहता है।

उत्तरः 4. कविता में जीवन को महासंग्राम कहा गया है क्योंकि इसमें कठिनाइयों पर संघर्षरत रहकर उन पर विजय प्राप्त करने का भाव होता है।

उत्तरः 5 अपने कर्तव्य-पथ के विषय में कवि का दृढ संकल्प यह है कि उन्हें रोकने के लिए चाहे उनके साथ जो कुछ भी किया जाए के अपने कर्तव्य को हर हाल में निभाएँगे।

ग. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए -

1. कविता की इन पंक्तियों का भावार्थ इस प्रकार है कि संघर्ष पथ पर चलते हुए कवि का संकल्प यह है कि उन्हें इस पथ पर चलते हुए जो भी मिलेगा, चाहे वह दुख हो या सुख, हार हो या जीत, जीवन है या मृत्यु, वह सब कुछ स्वीकार कर लेंगे लेकिन ईश्वर से वरदान नहीं माँगेगे।

2. कविता की इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि कवि को अपनी वेदना से ही लगाव है। वह उसे त्यागने को तैयार नहीं है। उसे तो केवल जीवन में संघर्षरत ही रहना है।

3. कविता की इन पंक्तियों का भावार्थ यह है जीवन एक संग्राम है, जिसमें हार और जीत दोनों होती हैं। इस कारण कवि को किसी प्रकार का डर नहीं है।

घ. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइये –

1. संग्राम– स्वतंत्रता संग्राम में बहुत से लोग शहीद हो गए।
2. संपत्ति– मेरे पिता जी ने कड़ी मेहनत करके अपनी संपत्ति अर्जित की।
3. वेदना– गरीब के हृदय की वेदना कोई नहीं जानता।
4. अभिशाप– दहेज लेना और देना एक अभिशाप है।
5. कर्तव्य– प्रजा की रक्षा करना ही राजा का कर्तव्य है।

भाषा–बोध:

क. कई शब्दों में केवल एक मात्रा के हेर–फेर से उनके उच्चारण और अर्थ दोनों ही बदल जाते हैं। जैसा कि नीचे दिये गये उदाहरण में –

नीचे कुछ कुछ शब्द–युग्म दिये जा रहे हैं, उनका अर्थ स्पष्ट करते हुए अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. सुत (बेटा), लव–कुश श्री राम जी के सुत हैं।

   सूत (धागा) – कच्चे सूत के कारण कपड़ों की सिलाई अच्छी से नहीं हो सकी।
2. मन (दिल)– मेरा मन थोड़ी देर घूमने का है।

   मान (प्रतिष्ठा)– हमें अपने घर आए मेहमानों का मान करना चाहिए।
3. कुल (वंश, खानदान)– मोहन को मिली उपलब्धि से उसके कुल का नाम हुआ है।

   कूल (किनारा)– नदी के कूल पर ठंडी हवा ने मन मोह लिया।
4. बल (शक्ति)– हमें कभी भी किसी पर बल का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

   बाल (केश)– मेरी दादी के बाल सफेद रंग के हैं।
5. मत (नहीं)– पिता ने पुत्र को समझाया कि झूठ मत बोलो।

   मात (हरा देना)– शतरंज के खेल में रमेश ने कई बार मात खाई है।

पाठ - 2 : साए

पाठ-बोध:

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. अफ्रीका में
2. ये सभी
3. उसके पिता के मित्र
4. 10-15 साल

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर: 1. बच्चे और स्त्री बच्चों के पिता के पत्र का इंतजार कर रहे थे क्योंकि वे अफ्रीका में रहते थे और कई महीनों तक उनका कोई पत्र नहीं आया था।

उत्तर: 2. पति का पहला पत्र पाकर पत्नी रोती रही।

उत्तर: 3. घर से जाने वाले पत्रों में प्राय: लिखा होता था कि बच्चों के पिता को थोड़ा-सा समय निकालकर कभी घर भी आना चाहिए। बच्चे उन्हें बहुत याद करते हैं और देखने को तरसते हैं। जो-जो हिदायतें पत्र में लिखी रहती हैं, उनका पालन भी करते हैं। माँ को किसी किस्म का कष्ट नहीं देते और उनका कहना मानते हैं। पढ़ने में बहुत मेहनत करते हैं।

उत्तर: 4. अज्जू के पिता अपनी बेटी के विवाह पर चाहकर भी भारत नहीं आ सके क्योंकि उन्होंने जो एक नया कारोबार शुरु किया था, उसमें मजदूरों की हड़ताल चल रही थी। ऐसे संकट के समय में वह सब छोड़कर नहीं आ सकते थे।

उत्तर: 5. नैरोबी जाते समय अज्जू सोच रहा था कि पापा उसे देखकर हैरान होंगे। उन्होंने कल्पना भी न की होगी कि अचानक वह इतनी दूर एक दूसरे देश में इतनी आसानी से आ जाएगा।

उत्तर: 6. नैरोबी पहुँचकर अज्जू को अपने पिता के बारे में पता चला कि 10-15 साल पहले उनकी मृत्यु हो चुकी थी।

उत्तर: 7. अज्जू के पिता की मृत्यु का समाचार उनके मित्र ने उनके परिवार को नहीं दिया था क्योंकि ऐसा करने से अज्जू की माँ भी उनके दु:ख में मर जाती और उनके बच्चे अच्छे से पढ़ नही पाते। उनका परिवार सदा निराशा, हताशा और असुरक्षा की भावना से ग्रसित रहता।

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. डाकिया भूल से इधर-उधर **झाँकता** भी न था।
2. **रंग-भेद** के कारण यूरोपियन लोगों के अस्पताल में जगह न मिली।

3. बच्चों के **मुरझाए** चेहरे खिल उठे।
4. सबको स्वाभाविक रूप से **प्रसन्नता** हुई।
5. वर की तलाश में अधिक **भटकने** की आवश्यकता न हुई।

घ. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए –

1.	रुग्ण	बीमार	मेरी दादी कई वर्षों से अपनी रुग्ण अवस्था के कारण चल नहीं पाती।
2.	स्वास्थ्य	नीरोगता	हमें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए।
3.	प्रसन्नता	खुशी	बहुत समय बाद अपने प्रिय मित्र से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई।
4.	वर	दूल्हा	वर पक्ष ने शादी के लिए बहुत सारा दहेज मांगा।
5.	लगन	ध्यान लगाना	छात्रों ने वार्षिक परीक्षा के लिए लगन से पढ़ाई की।

भाषा-बोध:

क. हिंदी भाषा में अनेक उर्दू के शब्द घुल-मिल गये हैं। नीचे लिखे उर्दू शब्दों के हिंदी अर्थ लिखिए –

1. अव्वल = प्रथम
2. रौशन = प्रसिद्ध, विख्यात
3. हिदायत = अनुदेश देना
4. उम्मीद = आशा, इच्छा
5. सरसब्ज = हराभरा
6. कारोबार = व्यापार
7. बदौलता = कृपा से, कारण से
8. आबोहवा = मौसम

ख. नीचे दिए गए तद्भव और देशज शब्दों के तत्सम् रूप लिखिए–

1. ब्याह विवाह
2. बरस वर्ष
3. जात जाति
4. शादी

ग. निम्नलिखित वाक्यों के काल बताइए –

1. भूतकाल
2. भविष्यत्काल
3. वर्तमानकाल
4 भूतकाल
5. वर्तमानकाल

पाठ - 3 : लोकगीत एवं लोकनृत्य

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. 'अ' व 'ब' दोनों
2. बाउल और भटियाली
3. गरबा

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. लोकगीत को गाने के लिए साधना की आवश्यकता नही है क्योंकि लोकगीत सीधे जन सामान्य के गीत हैं अर्थात ये घर, गाँव और नगर की जनता के गीत हैं।

उत्तरः 2. लोक-साहित्य के पुनरुद्धार के लिए अनेक लोगों ने विविध बोलियों के लोक-साहित्य के संग्रह पर कमर कसी है और इस प्रकार के अनेक संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। प्रांतों की सरकारों ने भी लोक-साहित्य के पुनरुद्धार में हाथ बँटाया है और सभी राज्यों में इस संबंध का एक विभाग चालू कर दिया है या सार्वजनिक सम्मेलन, पुरस्कार आदि द्वारा इसका प्रोत्साहन, प्रचार और वृद्धि शुरु कर दी गई है।

उत्तरः 3. पिछले अनेक वर्षो से भोजपुरी में विदेशिया का खूब प्रचार हुआ है और इनकी विशेषता यह है कि गानेवालों के अनेक दल इन्हें गाते हैं। बिहार में विदेशिया से बढ़कर दूसरे गाने लोकप्रिय नहीं हैं। इन गीतों में अधिकतर रसिकों की बात रहती है और इनसे करुणा और विरह का जो रस बरसता है, उनका वर्णन नहीं किया जा सकता है।

उत्तरः 4. लोकगीतों की दृष्टि से भारत को अन्य सभी देशों से भिन्न कहा गया है क्योकि संसार के अन्य देशों में स्त्रियों के अपने गीत पुरुषों या जन गीतों से भिन्न नहीं हैं, मिले-जुले ही हैं।

उत्तरः 5. त्योहारों पर नदियों में नहाते समय के, नहाने जाते हुए राह के विवाह के, मटकोड़, ज्यौनार के, संबंधियों के लिए प्रेम-युक्त अपशब्द के, जन्म आदि सभी अवसरों के अलग-अलग गीत हैं, जो स्त्रियाँ गाती हैं।

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. लोकगीत के लिए **साधना** की आवश्यकता नहीं होती।
2. वास्तविक **लोकगीत** देश के गाँवों और देहात में है।
3. भोजपुरी में पिछले अनेक वर्षों से **विदेशिया** का खूब प्रचार हुआ।

4. सभी ऋतुओं में स्त्रियाँ **उल्लासित** होकर दल बांधकर गाती हैं।
5. स्त्रियाँ **ढोलक** की मदद से गाती हैं।

घ. सत्य अथवा असत्य लिखिए –

1. सत्य
2. असत्य
3. असत्य
4. सत्य
5. सत्य

भाषा-बोध:

क. 'सर्वजन' शब्द में 'इक' प्रत्यय लगाकर 'सार्वजनिक' शब्द बना है। इसी प्रकार, निम्नलिखित शब्दों में 'इक' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए-

1. धर्म+इक = धार्मिक
2. साहित्य+एक = साहित्यिक
3. वास्तव-इक = वास्तविक
4. समाज+इक = सामाजिक
5. वर्ष+इक = वार्षिक
6. समूह+इक = सामूहिक

ख. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिये –

1. लोकगीत – ल् + ओ + क् + अ + ग् + ई + त् + अ
2. त्योहार- त् + य् + ओ + ह् + आ + र् + अ
3. ढोलक – ढ् + ओ + ल् + अ + क् + अ
4. औरत- औ + र् + अ + त् + अ
5. बरसात – ब् + अ् + र् + अ् + स् + आ + त् + अ

ग. संधि विच्छेद कीजिए –

1. संस्कृति – सम् + कृति
2. उल्लास – उत् + लास
3. संसार – सम् + सार
4. संगीत – सम् + गीत
5. अनंत – अन् + अंत

पाठ – 4 : अगला स्टेशन

पाठ-बोध:

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ –

1. समाज को बदल डालो
2. ये सभी
3. मेहमानों को छोड़ने के लिये
4. लेखक को

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

उत्तर: 1. लेखक को समाज सेवा करने का संदेश फिल्मों से प्राप्त हुआ।

उत्तर: 2. लेखक ने पैसेंजर गाड़ी की विशेषताएँ बतायी हैं कि पैसेंजर गाड़ी अर्थात मुसाफिर गाड़ी थी, जो मुसाफिरों के लिए बनी थी, अब मुसाफिरनुमा माल ले जाती है। पैसेंजर गाड़ी में जो भी मुसाफिर चलते हैं, उन्हें सिर्फ माल की तरह ढोती है। जहाँ मन आए, तहाँ रोकती है और धीरे-धीरे चलती है, रास्तेभर बिना पंखा और बिना बत्ती का सफर कराती है, पुराने डिब्बों का नया किराया लेती है और चार-छः घंटे आगे-पीछे पहुँचाती है। इसकी सुनवाई कहीं नहीं होती। यह मान लिया गया है, कि पैसेंजर गाड़ी यानी मुसाफिर गाड़ी की वही नियति है कि उसमें गाँव-गाँव में उतरने चढ़ने वाला चलता है। पैसेंजर गाड़ी सिर्फ सुबह, दोपहर, शाम या रात के वक्त से बँधी हुई चलती है।

उत्तर: 3. लेखक से पैसेंजर गाड़ी के तीसरे दर्जे के डिब्बे के दृश्य का वर्णन करते हुए बताया है कि तीसरे दर्जे में ठुँसे हुए यात्री दफ्तियाँ, रूमाल और हाथ हिलाकर उस डिब्बे से गर्मी को बाहर कर देना चाहते थे। अँधेरा हो रहा था, और हर यात्री अपने से ज्यादा अपने संदूक की फिक्र में व्यस्त था।

उत्तर: 4. लेखक गार्ड के पास रेलगाड़ी के डिब्बों में बत्ती और पंखा न चलने की शिकायत लेकर गया। उस शिकायत का उसे गार्ड से यह उत्तर मिला कि अभी सब ठीक हो जाएगा। प्लेटफॉर्म पर बिजली वाले से कह दीजिये वह ठीक कर देगा।

उत्तर: 5. मिस्त्री लड़का ताव में था उसे क्योंकि उसे रेलवे की तरफ से ही बिजली और पंखा ठीक करने के लिए आवश्यक सामान नहीं दिया जा रहा था। जितना सामान था उससे उसने फर्स्ट क्लास की बिजली ठीक कर दी थी।

उत्तर: 6. गार्ड साहब ने मिस्त्री को मुसाफिरों से निपटने की सलाह यह दी कि उनसे मीठे बोल बोलकर यह कह दिया जाए कि बत्ती अगले स्टेशन पर ठीक होगी।

उत्तर: 7. लेखक को अपनी समाज सेवा का यह प्रतिफल प्राप्त हुआ कि कुछ यात्री मुसाफिर गाड़ी के देर से चलने की वजह उसी को बता रहे थे और धिक्कार रहे थे।

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. देश के **भविष्य** को बनाने का काम सिर्फ फिल्मों का है।
2. **मालगाड़ी** सिर्फ माल ले जाती है।

3. **समाजसेवा** करने के लिए मेरी तबीयत मचलने लगी।
4. बेहयाई का गुण एक समाजसेवक में बड़ा **लाजिमी** होता है।
5. **अगला स्टेशन** पूरे सफर में कभी आता नहीं।

भाषा-बोध:

क. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइये -

1. बहुत अधिक शोभा बढ़ाना- मेरे जन्मदिन पर मेरे मित्रों के आ जाने से चार चाँद लग गए।
2. अप्रतिष्ठा होना- यदि राम परीक्षा में फेल हो जाता तो उसके माता-पिता की किरकिरी हो जाती।
3. भयभीत होना- साँप को अपने सामने देखकर मेरा दिल काँप गया।
4. ठुकरा देना- महेश ने अपने बूढ़े माँ-बाप की सेवा करने से मुँह फेर लिया।
5. स्वयं संकट खड़ा करना- अमन ने झगड़ालू किरायेदार रखकर मुसीबत मोल ले ली।

ख. कुछ शब्द स्थान विशेष से संबंधित होते हैं; जैसे- रेलवे स्टेशन से संबंधित शब्द गार्ड, सिग्नल, प्लेटफार्म, मुसाफिर, फर्स्ट क्लास, सैकंड क्लास, वेटिंग रूम आदि।

इसी प्रकार इन स्थानों से संबंधित शब्द लिखिए -

विद्यालय-	1. लाइब्रेरी	2. स्टाफ रूम
	3. ब्लैक बोर्ड	4. प्रधानाचार्या कक्ष
	5. कक्षा	6. अध्यापिका
अस्पताल-	1. दवाइयाँ	2. डॉक्टर
	3. पर्स	4. पर्ची
	5. इंजेक्शन	6. ऑपरेशन थियेटर

ग. भूतकाल के निम्नलिखित वाक्यों को वर्तमान काल में बदलकर लिखिए -

1. मैं मौके की तलाश कर रहा हूँ।
2. ऐसा कुछ पहले से तय नहीं है।
3. मैं आश्वासन लेकर लौटता हूँ।
4. गाड़ी छूटने का वक्त निकट आ रहा है।
5. मिस्त्री के पास कोई जवाब नहीं है।

पाठ - 5 : ध्वनि

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. 'अ' व 'ब' दोनों
2. 'अ' व 'ब' दोनों
3. कलियों पर

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. कवि को ऐसा विश्वास इसलिए है क्योंकि उसके जीवन में अभी नया जोश और उमंग भरा हुआ है। अभी उसे बहुत से कार्य करने हैं। वह पीढ़ी को आलसपन से उभारना चाहता है। इसलिए वह कहता है कि उसका अंत कभी नहीं होगा, जब तक कि वह अपने पूरे कार्यों को समाप्त ना करें।

उत्तरः 2. फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कहता है कि वह फूलों को कलियों से निकालकर उन्हें एक खिला हुआ फूल बना देगा। कवि का कहना है कि अभी बसंत का मौसम आया हुआ है और वह कलियों को हाथों से स्पर्श कर उन्हें एक खिला हुआ फूल बना देगा तथा वह फूलों की आँखों से आलसपन को हटाकर उन्हें चुस्त व फुर्तीला बना देगा।

उत्तरः 3. कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए पुष्पों पर हाथ फेरकर उन्हें जगाना चाहता है। वह उनके अंदर जोश और उमंग भरना चाहता है। कवि उन्हें चुस्त, फुर्तीला और जोशदार बनाना चाहता है। कवि का कहना है कि वह नींद में पड़े सभी लोगों को प्रेरित करके उन्हें उत्तेजित करेगा। उसके आलसपन को दूर करेगा और साथ ही उनमें नये उत्साह का संचार भर देगा।

उत्तरः 4. कवि के अनुसार उनका अंत कभी नहीं होगा, जब तक कि वह सबके जीवन में खुशियाँ नहीं ला देते।

ग. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए

भावार्थः कवि मानते हैं कि उनका अंत कभी नहीं होगा, क्योंकि, अभी-अभी कवि के जीवन के अमृतरूपी वन में बसंतरूपी यौवन आया है। कवि का मानना है कि उनका अंत कभी नहीं होगा क्योंकि वह आशावादी है। अर्थात अभी उनका अंत नहीं होगा जब तक कि वह अपने उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर लेते क्योंकि अभी कवि के जीवन में एक नये उत्साह और जोश का आगमन हुआ है।

भाषा-बोधः

क. कविता में आए पुनरावृत्ति शब्दों को लिखिए -

अभी-अभी, पुष्प-पुष्प।

ख. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण और विशेष्य छाँटकर लिखिये तथा विशेषण के भेद भी बताइये-

	विशेषण	विशेष्य	विशेषण के भेद
1.	युवा	पीढ़ी	गुणवाचक विशेषण
2.	नए-नए	फूल	गुणवाचक विशेषण
3.	मधुर	वसंत	गुणवाचक विशेषण
4.	सभी	जीव-जंतुओं	अनिश्चित संख्यावाचक
	एक-एक	फल	निश्चित संख्यावाचक
5.	सुंदर	बीज	गुणवाचक विशेषण
	थोड़े	समय	अनिश्चित परिमाणवाचक

ग. 'सहर्ष' में 'स' उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है। इसी प्रकार 'स' उपसर्ग का प्रयोग कर पाँच नए शब्द बनाइये-

सतह, सपरिवार, सचित्र सगुण, सशस्त्र

घ. संधि कीजिए -

अन् + अंत = अनंत　　निः + मल = निर्मल

वसंत + उत्सव = वसंतोत्सव　　स्वः + ग = स्वर्ग

पाठ - 6 : महान बचपन

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. आँसू आ गए　　2. उसने सत्य बोला था
3. उसने नकल नहीं की थी　　4. सत्य और अहिंसा का

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. बालक गोपाल की पूरी कक्षा में धाक जम गई क्योंकि बालक गोपाल के अध्यापक ने कक्षा के सभी बच्चों को कुछ प्रश्न घर से हल करके लाने को दिए थे और जब अगले दिन अध्यापक ने सभी बच्चों की अभ्यास पुस्तिकाएँ जाँची तो गोपाल ही ऐसा विद्यार्थी था जिसके सारे उत्तर सही थे। अतः इस प्रकार बालक गोपाल की पूरी कक्षा में धाक जम गई।

उत्तर: 2. पुरस्कार का नाम सुनते हो गोपाल की आँखों में आँसू आ गए क्योंकि गुरुजी ने उसे पुरस्कार देने की बात कही तो उसने गुरुजी को बताया कि सभी प्रश्नों के हल उसने स्वयं नहीं किए बल्कि एक प्रश्न को हल करने में उसके बड़े भाई ने उसकी मदद की है।

उत्तर: 3. गुरु जी ने सच्चाई जानने के बाद भी गोपाल को पुरस्कार में कलम उसकी ईमानदारी के लिए दी।

उत्तर: 4 निरीक्षक महोदय के चले जाने के बाद अध्यापक ने बालक को डाँटा क्योंकि कक्षाध्यापक के संकेत करने के बाद भी उसने अगले लड़के की स्लेट पर लिखे शब्दों को देखकर अपना गलत शब्द सही नहीं किया था।

उत्तर: 5. महात्मा गांधी जी को भारत का राष्ट्रपिता कहा जाता है तथा उन्होंने गोपाल कृष्ण गोखले को अपना गुरु माना।

ग. सत्य अथवा असत्य लिखिए –

1. सत्य
2. असत्य
3. सत्य
4. असत्य
5. सत्य

घ. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए –

1. हैरान– केदारनाथ मंदिर की सुंदरता को देखकर हम विस्मित रह गए।
2. सच बोलना– राजा हरिश्चंद्र को उनकी सत्यवादिता के कारण याद रखा जाता है।
3. इनाम– खेल प्रतियोगिता में प्रथम आने पर मोहित को पुरस्कार मिला।
4. कमजोर – कई दिनों तक बीमार रहने के कारण अजय के दादा जी दुर्बल हो गए हैं।
5. मार–पीट न करना– गांधी जी अहिंसा के बहुत बड़े पुजारी थे।

भाषा–बोध:

क. 'ता' प्रत्यय का प्रयोग करते हुए पाँच नए शब्द बनाइए :

एक+ता = एकता
भारतीय+ता = भारतीयता
मित्र+ता = मित्रता
पशु+ता= पशुता
नैतिक+ता = नैतिकता

ख. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

1.	उत्तर	2.	दंड	3.	उचित
4.	अपमान	5.	सरल	6.	असत्य
7.	होशियार/बुद्धिमान	8.	हिंसा		

ग. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिये-

1. रंग जमाना- मधुरवाणी के कारण नई बहू की पूरे परिवार में धाक जम गई।
2. अत्यधिक मेहनत करना- रीटा ने एड़ी-चोटी का जोर लगाकर मेहनत की और सरकारी नौकरी प्राप्त कर ली।
3. बुद्धि नष्ट हो जाना - मीना की अक्ल पर पत्थर पड़ गए थे जो उसने सोनू को एक लाख रुपये उधार दिए।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा उनके भेद भी बताइए-

1. गणित - व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. गुरु - जातिवाचक संज्ञा
3. गोपाल कृष्ण कोखले - व्यक्तिवाचक संज्ञा, देशभक्त-जातिवाचक संज्ञा
4. बच्चों - जातिवाचक संज्ञा, योग्यता - भाववाचक संज्ञा
5. महात्मा गांधी - व्यक्तिवाचक संज्ञा, देश- जातिवाचक संज्ञा आजादी-भाववाचक संज्ञा।

पाठ - 7 : एलबम

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1.	पाँच सौ रुपये	2.	परोपकारी
3.	पुरानी मासिक पत्रिकाएँ		
4.	लाला सदानंद के ऋण के रुपये लेने से मना कर दिया था		

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर: 1. पंडित शादीराम यह सोचकर परेशान रहते थे कि वह किसी भी प्रकार अपने यजमान- लाला सदानंद से उधार लिया हुआ रुपया अदा कर दें क्योंकि जब भी कुछ बचाकर पैसे इकट्ठे करते थे तो कोई ऐसा खर्च निकल आता था कि सब खर्च हो जाता था।

उत्तर: 2. लाला ने पत्रिकाएँ देखकर पंडित जी को सुझाव दिया कि यदि पत्रिकाओं के कला-सौंदर्य के चित्र किसी शौकीन को पसंद आ जाएँ, तो वह हजार-दो हजार रुपये कमा सकते हैं।

उत्तर: 3. पंडित शादीराम डाकिए की प्रतीक्षा करते रहते थे क्योंकि उन्हें उम्मीद रहती थी कि पत्रिकाओं के चित्रों से बनी एलबम किसी को पसंद आ जाए तो वह उसे बेचकर कुछ रुपये कमा सकेंगे।

उत्तर: 4. पंडित शादीराम की एलबम किसी ने खरीद ली तथा बदले में उन्हें एक हजार रुपये दिए, जिसमें से उन्होंने लाला दयानंद को पाँच सौ रुपये देकर उनका कर्ज चुकाया।

उत्तर: 5. अगर दो हजार लिख देता, तो शायद उतने ही मिल जाते।' इस कथन से मानव स्वभाव की यह विशेषता उजागर होती है कि मनुष्य का मन कभी भी थोड़े से नहीं भरता। उसे जितना भी धन-दौलत मिले वह उससे अधिक पाने की लालसा ही रखता है।

उत्तर: 6. कहानी के अंत में पंडित शादीराम को यह सच्चाई पता लगी कि उनके चित्रों की एलबम लाला सदानंद ने ही अपने लिए मंगवाई थी और उसके लिए एक हजार रुपये भी उन्होंने ही भिजवाए थे। अभी तक पंडित जी को यह लग रहा था कि उन्होंने लाला सदानंद का कर्ज उतार दिया है पर यह सब कुछ जानकर हृदय पर एक चोट-सी लगी कि लाला जी ने उनके लिए इतना कुछ किया। इससे उनके मन में लालाजी के लिए पहले से अधिक सम्मान आ गया। वह लालाजी को अधिक सज्जन, अधिक उपकारी और अधिक ऊँचा समझने लगे थे।

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. शादीराम ने पैसा-पैसा बचाकर **अस्सी** रुपये जोड़ लिए।
2. लाला सदानंद अपने पुरोहित की **विवशता** को जानते थे।
3. घोर **निराशा** ने आशा के द्वार चारों ओर से बंद कर दिये थे।
4. उनके मुख पर **आनंद** की आभा नृत्य करने लगी।
5. आखिर एक दिन शादीराम के **भाग्य** जागे।

घ. किसने, किससे कहा?

1. लाला सदानंद ने पंडित शादीराम से कहा।
2. पंडित शादीराम ने लाला सदानंद से कहा।

3. लाला सदानंद ने पंडित शादीराम से कहा।
4. लाला सदानंद ने पंडित शादीराम से कहा
5. पंडित शादीराम ने लाला सदानंद से कहा।

भाषा-बोध:

क. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

1. शोक करना– यदि सुरेश समय रहते पढ़ाई कर लेता तो आज उसे सिर न पीटना पड़ता।
2. बहुत भयभीत होना– चिड़ियाघर में शेर की दहाड़ सुनकर मेरा दिल काँप गया।
3. अपने भोजन तक में बचत करना– नरेश ने अपना पेट काटकर अपनी बेटी की शादी के लिए पैसा जोड़ा।
4. अत्यंत पीड़ा होना– लोगों का कर्ज चुकाने के लिए पंकज के हृदय पर बरछियाँ चल रही हैं।

ख. निम्नलिखित वाक्यों को दिए गए काल के निर्देशानुसार बदलकर लिखिए –

अ. पंडित जी ने अच्छी-अच्छी तस्वीरें छाँट ली थीं। (भूतकाल)
ब. इनके बहुत अच्छे दाम मिल मिलते हैं। (वर्तमान काल)
स. पंडित जी की आँखों में आँसू आ जाएँगे। (भविष्यत् काल)
द. चित्र देखकर बच्चों के आँसू थम जाएँगे। (भविष्यत् काल)
य. सेठ ने एलबम खरीद ली। (भूतकाल)

पाठ – 8 : सूरदास के पद

पाठ-बोध:

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ –

1. ग्वाल-बालों ने उनके मुख पर माखन लगा दिया
2. बलराम
3. मोहित हो जाती हैं

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

उत्तर: 1. बालक कृष्ण मक्खन चुराकर न खाने की सफाई मे अपनी माँ को तर्क देते है कि उन्होंने मक्खन नहीं खाया है। कृष्ण तर्क देते हैं कि सुबह होते ही माँ उन्हें गायों को चराने के लिए भेज देती हैं। चार पहर बंसीवट में घूमकर शाम को घर आते हैं। दूसरा तर्क देते है कि वह अभी बहुत छोटे हैं

और उनके हाथ भी छोटे हैं। अत: उनके हाथ अभी ऊपर रखे छींके तक नहीं पहुँच सकते हैं। वह कहते हैं कि सभी ग्वाले उनके दुश्मन बन गए हैं, उन्होंने ही उनके मुख पर मक्खन लगा दिया है।

उत्तर: 2. कृष्ण ने अपनी माता का स्वभाव भोला बताया है जो कि सबकी बातों पर विश्वास कर लेती है।

उत्तर: 3. बालक कृष्ण अपनी माता को धमकी देते हैं कि अब वह अपनी माँ की बातें नहीं सुनेंगे और उनके कहने से कहीं नहीं जाएंगे।

उत्तर: 4. श्री कृष्ण ने अपनी माँ से बलराम की शिकायत की कि वह उन्हें बहुत चिढ़ाते हैं और कहते हैं कि वह नंदबाबा और यशोदा के पुत्र नहीं हैं। उन्हें वह मोल खरीदा हुआ बताते है।

उत्तर: 5. श्री कृष्ण ग्वाल-बालों के साथ खेलने नहीं जाते हैं क्योंकि वह कहते हैं कि ग्वाल-बाल उन्हें नचाते हैं, फिर सब उन पर हँसते और मुसकराते हैं।

ग. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए -

उत्तर: 1. बालक श्रीकृष्ण अपनी माँ से कहते हैं कि वह अभी बहुत छोटे हैं और उनके हाथ भी छोटे हैं। अत: उनके हाथ ऊपर रखे छींके तक नहीं पहुँच सकते हैं। वह अपनी माँ से कहते हैं कि सभी ग्वाले और बच्चे मेरे दुश्मन बन गए हैं। वे जबरदस्ती मेरे मुख पर माखन लगा देते हैं।

उत्तर: 2. बालक श्रीकृष्ण अपनी माँ यशोदा से कहते हैं कि दाऊ मुझे बार-बार कहते हैं कि तुम्हारे माता - पिता कौन हैं। वे कहते हैं कि नंद बाबा और यशोदा दोनों ही गोरे हैं और तेरा शरीर साँवला है। अत: तू नंद बाबा और माँ यशोदा का पुत्र नहीं है।

भाषा-बोध:

क. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए -

1. साँझ - शाम, सांय
2. जननी - माँ, माता
3. शरीर - तन, बदन
4. पूत - पुत्र, बेटा
5. कंठ - गला, ग्रीवा

ख.. निम्नलिखित शब्द ब्रज भाषा के हैं, इनके हिंदी रूप लिखिए-

मोरी - मेरा इहि - यह, इस कबहुँ - किसी समय

तात - पिता मोहिं - मुझे बरबस - जबरदस्ती

जायो- पैदा किया	भोरी - भोली	खिझाओ - चिढ़ाना	
जिय - मन, हृदय	तेरो - तेरा	पाछे	- पीछे

पाठ - 9 : गिल्लू

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. पीला
2. गिलहरी के बच्चे को
3. काँच के मोतियों जैसी 4. काजू

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. सोनजुही में लगी पीली कली देखकर लेखिका को एक छोटा-सा जीव जो कि गिलहरी था की याद आयी क्योंकि वह अब इस दुनिया में नहीं रहा।

उत्तरः 2. लेखिका गिलहरी के बच्चे को उठाकर अपने कमरे में ले आई, फिर रुई से रक्त पोंछकर उसके घावों पर पेंसिलिन का मरहम लगाया तथा रुई की पतली बत्ती दूध में भिगोकर उसके छोटे से मुँह पर लगाई पर उसका मुँह न खुल सका और दूध की बूँदें दोनों ओर लुढ़क गईं। कई घंटों के उपचार के बाद उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका।

उत्तरः 3. गिल्लू ने लेखिका का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए यह उपाय खोजा कि वह उसके पैरों के पास आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता। उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक कि वह उसे पकड़ने के लिए उठती नहीं।

उत्तरः 4. लेखिका ने गिल्लू को अपवाद कहा है क्योंकि उसके पास बहुत-से पशु-पक्षी हैं। उनका उससे लगाव भी कम नहीं था। परंतु उनमें से किसी को उसके साथ उसकी थाली में खाने की हिम्मत नहीं हुई, पर गिल्लू लेखिका के साथ बैठकर उसकी थाली में एक-एक चावल उठाकर खाता।

उत्तरः 5. गिल्लू की जीवन यात्रा के अंतिम दिन उसने कुछ न खाया, न बाहर गया। रात में अंत की यातना में भी वह लेखिका की वही उँगली पकड़कर उसके बिस्तर पर आया और ठंडे पंजों से वही उँगली पकड़कर हाथ से चिपक गया, जिसे उसने अपने बचपन की मरणासन्न स्थिति में पकड़ा था।

उसके पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने जागकर हीटर जलाया और उसे गरमाहट देने का प्रयत्न किया। परन्तु परंतु सुबह की प्रथम किरण के साथ ही वह सदा के लिए सो गया।

ग. रिक्त स्थान भरिए –

1. अब तक तो वह **सोनजुही** की जड़ में मिट्टी होकर मिल गया होगा।
2. हम उसे **गिल्लू** कहकर पुकारने लगे।
3. नीम-चमेली की **गंध** मेरे कमरे में हौले-हौले आने लगी।
4 मेरी रखी **सुराही** पर लेट जाता।
5. सोनजुही पर **बंसत** आता ही रहता है।

घ. सत्य अथवा असत्य लिखिए –

1.	असत्य	2.	सत्य
3.	असत्य	4.	असत्य
5.	सत्य		

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए –

1.	दूर – दूरी	2.	आदर – आरणीय
3.	सम्मान – सम्मानित	4.	कठिन – कठिनाई
5.	स्मरण – स्मरणीय	6.	चमक – चमकीला

ख.. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए –

1.	जिसका सम्मान किया जाए	सम्मानित
2.	जिसका आदर न किया जाए	अनादृत
3.	जो सबसे अधिक प्रिय हो	अतिप्रिय
4.	आसानी से प्राप्त होने वाला	सुलभ
5.	जो मरने वाला हो	मरणासन्न

ग. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए –

काक – कौआ	मयूर – मोर	दुग्ध – दूध
मुख – मुँह	पीत – पीला	मृत्यु – मौत
अक्षि – आँख	पितृ – पिता	अर्ध – आधा

पाठ - 10 : लौह-पुरुष सरदार पटेल

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. 31 अक्टूबर 1875 को
2. गाँव कारमसद में
3. पचास पौंड
4. 15 दिसम्बर सन् 1950

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर: 1. वल्लभ भाई पटेल का जन्म गुजरात के खेड़ा जिले के कारमसद नामक गाँव में हुआ था।

उत्तर: 2. वल्लभ भाई पटेल के माता-पिता का नाम लाडवा देवी तथा श्री झावेरबाई पटेल था। इनके पिता साहसी, देशभक्त और पराक्रमी व्यक्ति थे।

उत्तर: 3. बल्लभ भाई पटेल की प्रारंभिक शिक्षा उनके पैतृक गाँव कारमसद में हुई। माध्यमिक शिक्षा के लिए उन्हें नाडियाड और वडोदरा जाना पड़ा। पढ़-लिखकर वल्लभ भाई पटेल ने वकालत का पेशा अपनाया। सन् 1910 में वह विलायत पढ़ने गए और बैरिस्टरी की परीक्षा में उनका प्रथम स्थान आया।

उत्तर: 4. खतरे के प्रति जागरुक, अद्‌भुत संगठन शक्ति और अपने संबंध में मौन - वल्लभ भाई की ये तीन विशेषताएँ उन्हें भारतीय नेताओं से अलग कर देती हैं।

उत्तर: 5. एक बार वल्लभ भाई की बाजू के बगल में फोड़ा हो गया। किसी ने उन्हें राय दी कि यदि इस फोड़े को गरम सलाख से दाग दिया जाये तो यह जल्दी ठीक हो जायेगा। उन्होंने लोहे की एक सलाख लेकर उसे गरम कर लिया और एक मित्र से उस फोड़े को दागने के लिये कहा। ये सुनकर उनका मित्र चकित रह गया और ऐसा करने में असमर्थता प्रकट की। तब उन्होंने स्वयं गरम सलाख को उठा लिया और फोड़े को उससे दाग दिया और उफ तक नहीं की। मानों वह साधारण-सी बात हो। इस घटना से पता चलता है कि वल्लभ भाई बड़े सहनशील थे।

उत्तर: 6. गाँधी जी के बुलाने पर वल्लभ भाई पेटल ने वकालत छोड़ दी और पूरी तरह तन-मन-धन से देश सेवा में जुट गए। गाँधी जी का उन पर अटूट विश्वास था।

उत्तर: 7. सन् 1928 में बारडोली का प्रसिद्ध सत्याग्रह शुरु हुआ। किसानों पर सरकार ने लगान की दर बढ़ा दी। किसान

वल्लभ भाई के पास गए। वल्लभ भाई ने उनसे कहा कि यदि उन्हें जोखिम उठाना हो तो उनके लिए लड़ सकते हैं। इस तरह उनके नेतृत्व में आंदोलन प्रारंभ हो गया। उन्होंने गाँववालों को इस तरह संगठित किया कि लगान मिलना तो दूर, गाँवों में अंग्रेज अफसरों को भोजन, रिहाइश और आवागमन का साधन तक मिलना मुश्किल हो गया। सरकार ने इसके विरोध में बहुत अत्याचार किए। गरीब किसानों के घरों के ताले फौज के जरिए तुड़वाकर, सामान जब्त करके मालगुजारी वसूल करने की कोशिश की गई लेकिन सरकारी खजाने में एक कौड़ी भी जमा न हुई। हजारों लोग जेल गए। उनकी गायें - भैंसें तक जब्त कर ली गई, लेकिन उन्होंने सिर न झुकाया । यहाँ तक कि जब्त किए गए सामान को उठाने के लिए कोई मजदूर नहीं मिलता था और जब्त की गई जायदाद की नीलामी में बोली लगाने वाला कोई आदमी नहीं मिलता था। महीनों तक यही हाल रहा। अंत में सरकार को झुकना पड़ा। इसी सफलता के कारण गाँधी जी ने वल्लभ भाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि दी।

उत्तर: 8. स्वतंत्रता प्राप्ति के समय देश में अनेक छोटी-छोटी रियासतें थीं। अंग्रेजों का विचार था कि ये सभी रियासतें अलग रहें ताकि भारत में अंत तक फूट बनी रहे। किंतु भारत को संगठित करने के लिए सरदार पटेल ने इन सबको अपनी दृढ़ता तथा सूझ-बूझ से हल करके दिखाया और लगभग 600 रियासतों को संपूर्ण भारत में मिलाकर एकता स्थापित की, इसलिए उन्हें 'भारत का लौह पुरुष' कहा जाता है।

उत्तर: 9. अपने 75वें जन्मदिन पर सरदार पटेल ने राष्ट्र को संदेश दिया कि 'उत्पादन बढ़ाओ, खर्च घटाओ और अपव्यय बिलकुल न करो।'

उत्तर: 10. सरदार पटेल के निधन के 41 वर्ष बाद सन् 1991 में उन्हें भारत के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजा गया।

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. वल्लभ भाई पटेल विद्यार्थी जीवन से ही बड़े निर्भीक, **स्पष्टवादी** तथा **स्वाभिमानी** थे।
2. वल्लभ भाई पटेल अवसर का **सदपुयोग** करना भली-भाँति जानते थे।

3. पढ़-लिखकर वल्लभ भाई पटेल ने **वकालत** का पेशा अपनाया।
4. **विदेश** से लौटकर वे अहमदाबाद में वकालत करने लगे।
5. सन् **1928** में बारडोली का प्रसिद्ध सत्याग्रह शुरु हुआ।

घ. सत्य अथवा असत्य लिखिए -

1. असत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. सत्य
5. सत्य

ड. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए -

1. बलवान- सम्राट अशोक बहुत पराक्रमी थे।
2. सही उपयोग- हमें समय का सदुपयोग करना चाहिये।
3. विदेश- रमेश के पिताजी ने उसे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विलायत भेजा।
4. मार्ग दर्शन एवं संचालन करना- अपने पिताजी के बीमार हो जाने पर नितिन ने उनकी फैक्ट्री का नेतृत्व किया।
5. योद्धा, सैनिक- भारत को आजाद करवाने के लिए कई स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राण त्याग दिए।

भाषा-बोध:

क. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए -

1.	सत्य के लिए आग्रह	सत्याग्रह
2.	साफ-साफ कहनेवाला	स्पष्टवादी
3.	जो कभी मिट न सके	अमिट
4.	कभी न टूटने वाला	अटूट
5.	लोहे की तरह मजबूत तन-मन वाला पुरुष	लौहपुरुष

ख.. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया-विशेषण शब्दों को छाँटकर लिखिए -

1.	वल्लभ भाई पढ़ने में बड़े तेज थे।	बड़े तेज
2.	वल्लभ भाई कम बोलते थे।	कम
3.	श्री पटेल पत्नी की मृत्यु का दु:ख चुपचाप सह गए।	चुपचाप
4.	गांधी जी को अचानक गिरफ्तार कर लिया गया।	अचानक
5.	मजबूरन सरकार को कर संबंधी आदेश वापस लेना पड़ा।	मजबूरन

ग. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए -

1. उनका शरीर सुदृढ़ एवं विशाल था।
2. सन् 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम में उन्होंने भाग लिया।
3. उन्होंने पढ़-लिखकर वकालत का पेशा अपनाया।
4. वल्लभ भाई पटेल में संगठन की अद्‌भुत क्षमता थी।
5. अंत में सरकार को झुकना पड़ा।

पाठ - 11 : जीवन का झरना

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. सुख और दुख 2. पानी का
3. आगे बढ़ते जाने की

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. कवि ने जीवन को झरना कहा है क्योंकि जीवन भी झरने की तरह गतिशील है। जिस प्रकार झरना बिना रुके आगे बढ़ता जाता है, उसी प्रकार जीवन भी बिना रुके लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है।

उत्तरः 2. निर्झर के मार्ग में बड़े-बड़े पहाड़ों के पत्थर, चट्टानें एवं जगलों के वृक्षों आदि की बाधाएँ आती हैं।

उत्तरः 3. झरने के बाधाओं से लड़ने के गुण से हम यह सीख सकते हैं कि हमें दुख एवं विपत्ति की चिंता न करते हुए निरंतर आगे बढ़ते जाना चाहिए।

उत्तरः 4. जिस दिन झरने की गति रुक जाएगी, उस दिन उसका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।

उत्तरः 5. कविता में झरने और मनुष्य के जीवन में यह समानता बताई गई है कि दोनों का जीवन गतिशील है। दोनों ही सुख-दुख को समान भाव से ग्रहण करते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहते हैं।

ग. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिये-

उत्तरः 1. कविता की इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि मनुष्य का जीवन गतिशीलता का पर्याय है। गति ही जीवन है। यह झरने के समान गतिशील है। झरने की तरह ही जीवन मौज-मस्ती में आगे बढ़ता है। मनुष्य के जीवन के दो

किनारे हैं। यह मनमानी से सुख-दुख के मध्य गतिशील रहता है। झरना भी इसी तरह अपनी मंजिल की तरफ गतिशील रहता है।

उत्तर: 2. इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि झरने में लहरें उठती हैं, गिरती हैं। नाविक किनारे पर पछताता रहता है। झरना यौवन की तरह आगे बढ़ता रहता है और गतिशील रहता है। इसी तरह मनुष्य का जीवन भी गतिशील रहता है। इसमें भी लहरें उठतीं-गिरती रहती हैं। यौवन रुकने का नाम नहीं है। यह बढ़ता ही जाता है। जीवन भी आगे बढ़ता ही रहता है।

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिये -

1. निर्झर - झरना, प्रपात
2. गिरि - पहाड़, पर्वत
3. पानी - नीर, जल
4. मानव - मनुष्य, इंसान
5. वन - जंगल, कानन

ख. जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं,

1. किनारा- नदी के तीर पर बत्तखें तैर रही थीं।
   बाण- श्रीराम ने रावण पर तीर से वार किया।
2. भेद- राम और श्याम जुड़वाँ भाई हैं। इसलिए उन दोनों की सूरत में उन्नीस-बीस का अंतर है।
   भीतरी भाग में- फूल के अंतर में मधुमक्खी बैठी रस चूस रही थी।
3. संसार- इस जग में भगवान से बढ़कर कोई भी श्रेष्ठ नहीं।
   पानी रखने का पात्र- मेहमानों को जग में से पानी दो।
4. चाल- गाड़ी बहुत तेज गति से चल रही थी, इसीलिए धूल उड़ रही है।
   हालत- आचार्य जी की गति बीमारी के कारण बुरी अवस्था में है।

ग. संधि कीजिए -

1. निः+झर = निर्झर
2. दुः+ख = दुख
3. नौ+इक = नाविक
4. दुः+दिन = दुर्दिन

पाठ - 12 : वृक्ष : हमारे जीवन स्रोत

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. 'अ' व 'ब' दोनों
2. पृथ्वी वृक्षहीन हो जायेगी
3. ऑक्सीजन गैस
4. बरगद
5. नीम का वृक्ष

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर: 1. बरगद के वृक्ष द्वारा आशीर्वाद दिए जाने पर आम और पीपल ने कहा कि उनका जीवन संकट में है। मनुष्य अपनी जरूरतें पूरी करने के लिये उन्हें काट रहा है और वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी वृक्षहीन हो जायेगी।

उत्तर: 2. पीपल के वृक्ष ने इस बात पर आश्चर्य प्रकट किया कि वृक्ष इतने उपयोगी हैं, फिर भी मनुष्य इन्हें काटने में जरा-सा भी नहीं झिझकते। यह भी नहीं सोचते कि वृक्ष इनके जीवनरक्षक हैं।

उत्तर: 3. वृक्षों और पशु-पक्षियों के लिए संकट और चिंता का विषय यह था कि यदि वन और वृक्ष ही नहीं रहेंगे तो मनुष्य और पशु-पक्षी कहाँ रहेंगे।

उत्तर: 4. मनुष्य अपनी सुख-सुविधाओं के लिए पेड़-पौधों को काट रहा है।

उत्तर: 5. वृक्षों का संरक्षण आवश्यक है क्योंकि वे हमारे लिये भोजन, फल, सब्जी व औषधियों के स्रोत हैं। वे बाढ़ और सूखा पड़ने जैसी गंभीर स्थितियों से बचाते है। इसके साथ ही सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि वे हमें साँस लेने के लिए जरूरी ऑक्सीजन गैस प्रदान करते हैं।

उत्तर: 6. बच्चों ने मिलकर संकल्प किया कि वृक्षों का संरक्षण करेंगे और नए पेड़-पौधे भी लगाएँगे। वनों, घर-आँगन में भी पेड़-पौधे लगाकर गाँव-शहरों को हरा-भरा रखेंगे तथा सभी के जन्मदिवस पर गमले में लगे पौधों को भेंट करेंगे।

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. आज तो हम सबका जीवन **संकट** में है।
2. मनुष्य हमें काटकर अपना ही **अहित** कर रहा है।
3. वृक्ष वातावरण को **प्रदूषण** से बचाने में भी सहयोग करते हैं।
4. **वनों** में मनुष्य द्वारा पेड़ काटे जा रहे हैं।

5. मेरे दादाजी तो नीम की ही **दातुन** करते हैं।

घ. सत्य अथवा असत्य लिखिए –

1. सत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. सत्य
5. असत्य

भाषा-बोध :

क. वचन बदलकर लिखिए –

1. बच्चे
2. गाड़ियाँ
3. समस्याएँ
4. औषधियाँ
5. पीढ़ियाँ
6. सब्जियाँ

ख. 'प्रदूषण' शब्द में 'प्र' उपसर्ग लगा है। इसी प्रकार नीचे दिए गए शब्दों के साथ 'प्र' उपसर्ग का प्रयोग कर नए शब्द बनाइए –

1. प्रयोग
2. प्रकृति
3. प्रभावी
4. प्रकार
5. प्रहार

ग. निम्नलिखित वाक्यों की क्रियाओं को रेखांकित कीजिए तथा उनका काल भी बताइए :

	क्रिया	**काल**
1.	सता रही हैं	वर्तमान काल
2.	हो गया	भूतकाल
3.	घबराए हुए	वर्तमान काल
4.	समझेगा	भविष्यत काल
5.	मिली	भूतकाल

घ. पाठ में आए पाँच-पाँच संज्ञा शब्द, सर्वनाम शब्द एवं विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए –

पाँच संज्ञा शब्द- वृक्ष, बरगद, अजय, रोहित, सुनील

पाँच सर्वनाम शब्द- आप, वे, मुझे, स्वयं, तुम्हारी

पाँच विशेषण शब्द- वृक्षहीन, विशाल, उपयोगी, पुराना, हरा-भरा

पाठ - 13 : भारतीय कला

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ –

1. भगवान बुद्ध
2. अजंता व एलोरा की गुफाएँ

3. कोणार्क का सूर्य मन्दिर

4. 'अ' व 'ब' दोनों

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर: 1. गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग कहा जाता है क्योंकि उस समय भारत वैभवशाली और उन्नति के शिखर पर था। इस युग में साहित्य, मूर्तिकला, वास्तुकला और चित्रकला की भव्य सुंदरता चरम सीमा पर थी।

उत्तर: 2. दिल्ली में कुतुबमीनार परिसर में स्थित 'लौह - स्तंभ' आज भी विज्ञान के लिए एक बहुत बड़ा आश्चर्य है क्योंकि डेढ़ हजार वर्ष बीत जाने पर भी इस पर जंग नहीं लगा तथा पूरे लौह स्तंभ में एक भी जोड़ नहीं दिखाई देता।

उत्तर: 3. महाराष्ट्र में औरंगाबाद के पास अजंता की गुफाएँ स्थित हैं। यहाँ सहयाद्रि पर्वत श्रेणियों में लगभग 30 गुफाओं में काले पत्थरों को काटकर ये मंदिर बनाए गए हैं। इन गुफाओं में बौद्ध धर्म व संस्कृति का चित्रण है। यहाँ मूर्तिकला और चित्रकला के सुंदर उदाहरण देखने को मिलते हैं। औरंगाबाद से 30 किमी दूर एलोरा की 34 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में हिंदू, जैन और बौद्ध धर्मो के प्रति आस्था दर्शाई गई है।

उत्तर: 4. एलिफेंटा गुफाएँ महाराष्ट्र राज्य के मुंबई शहर में पौराणिक देवताओं की अत्यंत भव्य मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है। इन मूर्तियों में त्रिमूर्ति शिव की मूर्ति सबसे अधिक लोकप्रिय है। भगवान शिव-पार्वती के कई लीलारूपों की अनेक सुंदर मूर्तियाँ बनाई गई हैं। यहाँ कुल सात गुफाएँ हैं। इन गुफाओं को दो हिस्सों में बांटा गया है। पहले हिस्से में पांच बड़ी हिंदू गुफाएँ हैं और दो छोटी गुफाओं में बौद्ध धर्म की छाप है।

उत्तर: 5. उड़ीसा में पुरी के निकट समुद्र के किनारे बना कोणार्क का सूर्य मंदिर बहुत प्रसिद्ध है। इस मंदिर की कल्पना सूर्य के रथ के रूप में की गई है। रथ में बारह जोड़ी विशाल पहिए लगे हैं, जिसे सूर्य के सात घोड़े तेजी से खींच रहे हैं। घोड़ों द्वारा खींचे गये रथ के चक्के, धुरी, चक्कर सभी गति का आभास कराते हैं। यह कल्पना जितनी सुंदर है रचना भी उतनी ही भव्य है।

उत्तर: 6. खजुराहो के मंदिर लगभग एक हजार वर्ष पूर्व चंदेल राजाओं ने बनवाए। ये मंदिर पूरे संसार में मुड़े हुए पत्थरों से बने मंदिरों के लिए प्रसिद्ध हैं तथा इन मंदिरों की

मूर्तियों में हमें भारतीय कला का श्रेष्ठतम रूप देखने को मिलता है।

उत्तर: 7. दक्षिण भारत में अत्यंत सुंदर एवं भव्य मंदिरों का निर्माण हुआ है। ये मंदिर सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में काफी लोकप्रिय हैं। यहाँ स्थित मंदिरों में उच्च कोटि की वास्तुकला और मूर्तिकला के दर्शन होते हैं तथा मंदिरों से उनकी प्राचीनता और वैभव साफ झलकता है। इन सभी मंदिरों की बनावट समान-सी है। मंदिर का मुख्य द्वार 'गोपुरम' कहलाता है। यह अनेक तलों वाला होता है। इन मंदिरों के गलियारे लंबे होते हैं। विशाल खंभों पर बने मंडप इन मंदिरों की विशिष्टता हैं। दक्षिण में तंजाबुर, चिदंबरम, कांचीपुरम, मदुरै, रामेश्वरम् आदि स्थानों में ऐसे मंदिर प्रचुर मात्रा में पाये जाते है।

उत्तर: 8 मीनाक्षी मंदिर मदुरै में स्थित है।

उत्तर: 9. 'बुलंद दरवाजा' की खासियत यह है कि यह संसार का सबसे ऊँचा दरवाजा माना जाता है।

उत्तर: 10. स्वर्ण मंदिर अमृतसर में स्थित है। इसकी एक विशेषता यह है कि इसका गुंबद सोने से बना हुआ है और यह चारों तरफ से सरोवर से घिरा हुआ है।

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. **गुप्त** सम्राट स्वयं भगवान विष्णु की पूजा किया करते थे।
2. कुतुबमीनार भी **वास्तुकला** का एक अजूबा है।
3. औरंगाबाद से 30 किमी दूर **एलोरा** की 34 गुफाएँ हैं।
4. **वास्तुकला** ही भारतीय कला का प्राण है।
5. दक्षिण भारत में अत्यंत **सुंदर** एवं **भव्य** मंदिरों का निर्माण हुआ है।

घ. सत्य अथवा असत्य लिखिए -

1. सत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. सत्य
5. सत्य

ङ. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए -

1. तरक्की होना- हमारे देश की उन्नति हमें अन्य देशों से आगे ले जा रही है।
2. अनुचर शिष्य - हिंदू धर्म के अनुयायियों ने यज्ञ संपन्न किया।

3. शानदार- शर्माजी ने बहुत ही भव्य मकान बनवाया है।
4. बारीक - दादी जी ने सूती कपड़े पर महीन कढ़ाई की।
5. सबूत- चोर के पास अपने-आप को निर्दोष साबित करने का कोई प्रमाण नहीं था।

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों में उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए -

1. इस युग में साहित्य, मूर्तिकला, वास्तुकला और चित्रकला की भव्य सुंदरता चरम सीमा पर थी।
2. इसमें बारह मीटर ऊँचा एक शिखर है।
3. इनमें मानव, देवता, राक्षस सभी की आकृतियाँ विद्यमान हैं।
4. मंदिर का मुख्य द्वार क्या कहलाता है?
5. शाहजहाँ ने विश्व प्रसिद्ध ताजमहल, लाल किला, जामा मस्जिद आदि इमारतों का निर्माण करवाया।

ख. निम्नलिखित विशेषणों की तीनों अवस्थाओं को पूरा कीजिए-

	मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
1.	मधुर	मधुरतर	मधुरतम
2.	श्रेष्ठ	श्रेष्ठतर	श्रेष्ठतम
3.	उच्च	उच्चतर	उच्चतम
4.	विशाल	विशालतर	विशालतम
5.	सुंदर	अधिक सुंदर	सबसे अधिक सुंदर
6.	उत्कृष्ट	उत्कृष्टतर	उत्कृष्टतम

ग. 1. गुप्त सम्राट द्वारा भगवान विष्णु की पूजा की जाती थी।
2. गुप्त सम्राट द्वारा बौद्ध धर्म के विकास में सहायता की गयी।
3. बौद्ध धर्म के अनुयायी राजाओं द्वारा मंदिरों का निर्माण किया गया।
4. सूर्य के सात घोड़ों द्वारा रथ खींचा जा रहा है।

पाठ - 14 : भिक्षुक

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. लंगड़ाकर
2. दो बच्चे
3. जूठी पत्तल चाट रहे हैं

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर: 1. भिक्षुक की शारीरिक स्थिति अत्यंत दयनीय थी। भूख, चिंता एवं दुख के कारण वह इतना कमजोर हो गया था कि लाठी के सहारे के बिना चलने में भी असमर्थ था।

उत्तर: 2. भिक्षुक के साथ चलते बच्चे हाथ फैला-फैलाकर भीख माँग रहे हैं। वे अपने बाएं हाथ से अपने पेट को मल रहे हैं और दाहिना हाथ लोगों के सामने भीख के लिए फैला रहे हैं।

उत्तर: 3. 'मुट्ठी भर दाने को भूख मिटाने को' से कवि का अभिप्राय है कि भिखारी अपनी भूख मिटाने के लिए लोगों से दो मुट्ठी अनाज मांग रहा है।

उत्तर: 4. भिक्षुक की स्थिति पशुओं के समान है क्योंकि जब वह और उसके बच्चे सड़क किनारे पड़ी जूठी पत्तलों को चाट रहे होते हैं तभी गली के कुत्ते भी उन जूठी पत्तलों को चाटने के लिए, उनसे लड़ पड़ते हैं। अत: भिक्षुक को जानवरों के समान सड़क पर पड़ी जूठी पत्तलें चाटनी पड़ रही हैं।

ग. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए -

उत्तर: 1. कविता की इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि भिखारी और उसके बच्चों की दशा देखकर किसी को दया नहीं आती वे अपने आँसुओं को पीकर रह जाते हैं। किसी से भी उनको खाने के लिए कुछ नहीं मिलता। भूख से व्याकुल भिखारी और उसके दोनों बच्चे जब सड़क से गुजरते हैं तो सड़क के किनारे जूठी पत्तलों को देखकर उनसे रहा नहीं जाता है और वे अपनी भूख को मिटाने के लिए सड़क पर पड़ी पत्तलों को चाटते हैं और वही गली के कुत्ते भी उन जूठी पत्तलों को चाटने के लिए उनसे लड़ने लगते हैं। अत: यह सब देखकर कवि का मन द्रवित हो जाता है।

भाषा-बोध :

क. प्रस्तुत कविता को पढ़ने से आपके मन में 'करुणा' का भाव उमड़ता है। इसी प्रकार, एक शब्द लिखिए कि इन स्थितियों में कौन सा भाव उमड़ेगा -

2. चीखें सुनकर - भय
3. देशभक्ति गीत सुनकर - उत्साह, जोश
4. अत्याचार और अन्याय देखकर - क्रोध

ख. विशेषण का विशेष्य से उचित मिलान कीजिए -

	विशेषण		विशेष्य
1.	फटी-पुरानी	स.	झोली
2.	जूठी	अ.	पत्तल
3.	दो	य.	बच्चे
4.	सूखे	ब.	ओंठ
5.	मुट्ठीभर	द.	दाने

पाठ - 15 : आत्माराम

पाठ-बोध:

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. दु:खमय
2. उसका तोता
3. सोने की मोहरों से भरा कलसा
4. पचास रुपये से कम

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर: 1. महादेव सोनार बेदीग्राम में एक सुविख्यात आदमी था। वह प्रात: से संध्या तक अँगीठी के सामने बैठा हुआ खट-खट किया करता था। वह नित्य प्रति सूरज उगने के पहले ही अपने तोते का पिंजरा लिए कोई भजन गाता हुआ तालाब की ओर जाता था।

उत्तर: 2. महादेव का पारिवारिक जीवन सुखमय नहीं था क्योंकि उसके तीन पुत्र बहुएँ थीं और दर्जनों पोती-पोते होने के बावजूद भी उसके बोझ को हलका करने वाला कोई न था। बेचारे महादेव को कभी-कभी निराहार ही रहना पड़ता।

उत्तर: 3. महादेव खाली पिंजरा लेकर इसलिए दौड़ रहे थे क्योंकि उनका तोता उड़ गया था। वह खपरैलों पर नजर दौड़ाते हुये इधर-उधर दौड़ रहे थे। अत: महादेव खाली पिंजरा लिए उसके पीछे दौड़ रहे थे।

उत्तर: 4. रात के अँधेरे में महादेव ने देखा कि एक अन्य वृक्ष के नीचे एक धुँधला दीपक जल रहा है और कई आदमी बैठे हुए आपस में बातें कर रहे हैं। उसे अपनी ओर आते देख सब-के-सब उठकर भाग गए। महादेव दीपक के पास गया तो उसे एक कलसा रखा हुआ मिला। उसने कलसे में हाथ डाला तो उसमें मोहरें थीं।

उत्तर: 5. महादेव ने कुछ मोहरें कमर में बाँधीं, फिर एक सूखी

लकड़ी से जमीन की मिट्टी हटाकर गड्ढे बनाए। उन गड्ढों में मोहरें भरकर मिट्टी उसे मिट्टी से ढँक दिया। कलश को उसने घर ले जाकर अपनी कोठरी में छिपा दिया।

उत्तर: 6. महादेव ने पुरोहित जी को अपने घर सत्यनारायण की कथा के लिए बुलाया तो यह सुनकर पुरोहित हैरान हो गए क्योंकि उनके अनुसार महादेव के घर कथा होना उतनी ही असाधारण घटना थी, जितनी अपने घर से किसी भिखारी के लिए भीख निकालना।

उत्तर: 8. पुरोहित ने अपने नुकसान के पचास रुपये माँगे। इस पर लोगों ने इसे पुरोहित जी की बेईमानी और खराब नीयत बताया। लोगों का कहना था कि पुरोहित को भगवान भी डर नहीं है। ढेर सारा धन पाकर महादेव ने अपने घर भगवान सत्यनारायण की कथा करवाई और कथा के समय सब लोगों ने अपने द्वारा सारी जिंदगी किए गए छल-कपट के लिए माफी माँगी। उसने लोगों से यह भी कहा कि जिसका जो भी हिसाब निकलता है वह उससे आकर अपने रुपये ले जा सकते हैं। इस सबके लिए उसने लोगों को एक माह का समय दिया और उसके बाद

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. महादेव का पारिवारिक जीवन **सुखमय** न था।
2. तोता एक **खपरैल** पर बैठा था।
3. पुरोहित जी **विस्मित** हो गए।
4. पुरोहित जी की **लोलुपता** पर टीकाएँ होने लगीं।
5. एक महीने तक महादेव **लेनदारों** की राह देखता रहा।

घ. किसने, किससे कहा?

1. महादेव ने कहा।
2. पुरोहित ने महादेव जी से कहा।
3. एक ठाकुर ने महादेव जी से कहा।
4. पुरोहित जी ने महादेव से कहा।
5. महादेव ने सभी लोगों से कहा।

भाषा बोध :

क. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखाकर वाक्य बनाइए -

1. सन्न रह जाना- नितिन के दादाजी की मृत्य की खबर सुनकर मेरा कलेजा सन्न रह गया।

2. असंभव कार्य का संभव हो जाना– कंजूस व्यक्ति ने मंदिर के चंदे के लिए 3000 रुपये दिए तो ऐसा लगा कि मंदिर में दूब जम गई है।
3. विवश होकर कोई काम करना– रामवीर को एक बार पैसे उधार देने पड़े क्योंकि वह रो–रोकर ढोल गले पड़ गया था।
4. बुरे–भले को परखना– कोमल मूर्ख है उसे खरे का खोटा करना नहीं आता।
5. बहुत आनंदित होना– कन्हैया को चलते देखकर यशोदा का हृदय उछलता था।
6. इंतजार करना– बूढ़े माता–पिता अपने पुत्र की घंटों से राह देख रहे थे।

ख. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग करके लिखिए –

	शब्द	उपसर्ग	मूलशब्द
1.	असाधारण	अ	साधारण
2.	अविश्वास	अ	विश्वास
3.	सुयश	सु	यश
4.	सशंक	स	शंक
5.	सुविख्यात	सु	विख्यात

ग. निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए –

	शब्द	संधि–विच्छेद
1.	निराहार	निः + आहार
2.	अभ्यागत	अभि+आगत
3.	संसार	सम् + सार
4.	सिंहासन	सिंह + आसन
5.	संध्या	सम् + ध्या

सुहानी - 8

पाठ - 1 : वीरों का कैसा हो बसंत?

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. वीर बसंत की खुशियाँ कैसे मनाएँ
2. एक दुल्हन की तरह
3. 'अ' व 'ब' दोनों
4. कवि

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर: 1. कवयित्री ने कविता में प्रश्न उठाया है कि वीरों का वसंत कैसा हो क्योंकि वे बसंत ऋतु के उत्सव को छोड़ देश की रक्षा के लिए युद्ध करने जा रहे हैं।

उत्तर: 2. वीरों के लिए बसंत के रंग और रण का स्वरूप यह है कि वीर वसंत ऋतु के रंगोत्सव से परे बसंती चोला पहनकर देश की रक्षा व स्वतंत्रता हेतु रण के लिए रणभूमि की ओर निकल पड़े हैं। उनका चोला वसंती रंग का है, जो वीरता और बलिदान का प्रतीक है।

उत्तर: 3. देश की आजादी की लड़ाई के अवसर पर वीरों का कर्तव्य है कि वे अन्याय और अधर्म का नाश करने के लिये हँसते-हँसते अपना बलिदान दे दें।

उत्तर: 4. कवयित्री अतीत से मौन त्यागने को इसलिए कह रही है क्योंकि अतीत में जितने भी युद्ध हुए हैं। उनके परिणाम में किसी-न-किसी का विनाश अवश्य हुआ है। खासकर अधर्म और अन्याय की राह पर चलने वालों का अंत ही हुआ है। अतः कवयित्री वर्तमान पीढ़ी को अतीत से सीख लेने को प्रेरित कर रही हैं और लोगों को युद्ध की विभीषिका से बचाना चाहती हैं।

उत्तर: 5. कवयित्री ने लंका, हल्दी घाटी, सिंहगढ़ आदि दुर्गों का जिक्र किया है क्योंकि ये दुर्ग भगवान श्री राम, महाराणा प्रताप तथा तानाजी जी के संघर्ष और वीरता की स्मृति कराते हैं।

उत्तर: 6 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता की कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने कविता में राष्ट्र प्रेम का वर्णन किया है। वसंत आगमन तथा युद्ध में वीर का जाना एक साथ हो रहा है। वीर युवक दुविधा में है कि उसे क्या करना चाहिए

परंतु वीरों के लिए वसंत युद्ध का मैदान है। इसलिए कवयित्री तरह-तरह के उदाहरण देकर वीरों को युद्ध के लिये प्रेरित करती है। कवयित्री को इस बात का दु:ख है कि परतंत्र देश में लेखकों की कलम भी प्रतिबंधित है। इसलिए वीरों में शक्ति भरने का काम कवयित्री कर रही है और उन्हें उनके कर्तव्य को पूरा करने के लिए प्रेरित कर रही है।

ग. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का सरलार्थ लिखिए -

उत्तर: 1. कविता की इन पंक्तियों का सरलार्थ है कि फूली सरसों अर्थात लहलहाते फसलों ने वीरों के जीवन में रंग भरा है। आसमान भी मानों पुष्प रस लेकर आया हो। बसंत के रंगों से दुल्हन बनी धरती का अंग-अंग पुलकित यानि प्रसन्न हो रहा है।

उत्तर: 2. कवयित्री दुख प्रकट करते हुए कहती है कि आज भूषण और चंद जैसे कवि नहीं रहे, जो छंदों में जान डाल सकें। आज कवियों की कलम स्वछंद नहीं है बल्कि अंग्रेज शासकों की गुलाम है, इसलिये खुलकर अपने विचार अभिव्यक्त नहीं कर पाते।

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए -

1.	उदधि	समुद्र	सागर	सिंधु
2.	बिजली	विद्युत	दामिनी	चपला
3.	हिमालय	नगेश	नगराज	गिरिराज
4.	आग	अग्नि	पावक	अनल

ख. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए -

1. अनंग - अन् + अंग
2. स्वच्छंद - स्व + छंद
3. अनंत - अन् + अंत
4. भूषण - भूष + अन

ग. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए -

1.	शिलाखंड	शिला का खंड
2.	सिंहगढ़	सिंह का गढ़
3.	गलबाँहें	गले में बाँहें
4.	धनुष-बाण	धनुष और बाण

पाठ - 2 : भिखारिन

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. मंदिर के दरवाजे पर 2. पैसों से भरी हाँडी
3. उसकी जाँघ के लाल निशान से

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. बुढ़िया को बच्चा उसकी झोंपड़ी के नजदीक मिला। वह उस बच्चे को अपनी जान से अधिक चाहती थी और उसे अपने से अच्छा खिलाती और पहनाती थी।

उत्तरः 2. सेठ बनारसीदास प्रसिद्ध थे क्योंकि वह बड़े देशभक्त एवं धर्मात्मा थे। दिन के बारह बजे तक वह पूजा-पाठ में संलग्न रहते। कर्ज लेने वाले तथा अपनी पूँजी धरोहर के रूप में उनके पास रखने वालों का वहाँ ताँता लगा रहता था।

उत्तरः 3. बुढ़िया अपनी हाँड़ी लेकर सेठ जी के पास इसलिए गई क्योंकि उसने भीख माँग-माँगकर अपने बच्चे के लिए उसमे चार पैसे जमा किए थे। वह उसे अपने पास रखने से डरती थी तो वह हाँडी को अपनी धरोहर के रूप में सेठ जी के पास रखवाने गयी थी। उसे हाँडी वापिस नहीं मिल पाई क्योंकि सेठ जी के मन में उसके पैसों को लेकर बेईमानी आ गयी थी और वह उसे पहचानने से भी इंकार कर रहे थे।

उत्तरः 4. बुढ़िया सेठ जी की कोठी के बाहर जा बैठी क्योंकि उसके बेटे को बहुत बुखार आ रहा था और उसके इलाज के लिए वह सेठ जी से रुपये माँग रही थी।

उत्तरः 5. सेठ जी ने बुढिया की गोद में पड़े बच्चे को कलेजे से लगा लिया क्योंकि वह सेठ जी का अपना बेटा था जो सात वर्ष पहले एक मेले में खो गया था।

उत्तरः 6. सेठ जी बुढ़िया को लेने उसकी झोंपड़ी पर गए क्योंकि उसका बेटा अपनी बुढ़िया माँ को अपने पास न पाकर और भी ज्यादा बीमार हो गया था और डॉक्टरों ने उसे जवाब दे दिया था। सेठ जी बुढ़िया को ले जाने आए थे ताकि उसका बेटा बुढ़िया को देखकर ठीक हो सके।

उत्तरः 7. पाठ में सेठ जी को याचक कहा गया है क्योंकि उसने बुढ़िया से भीख माँगी कि वह उसके साथ चल कर उसके

बीमार बेटे को ठीक कर सके जो सात वर्ष पहले मेले में गुम हो गया था। सात वर्ष से सेठ का बेटा बुढ़िया के पास ही था पर अब जब से सेठ को उसका बेटा वापिस मिला तबसे उसका बेटा अपनी बुढ़िया माँ को न देखकर बहुत बीमार हो गया था। बुढ़िया को दाता इसलिए कहा गया क्योंकि उसने सेठ जी के गिड़गिड़ाने पर उनके साथ उनके घर जाना मंजूर किया। वहाँ पंद्रह दिन उनके बीमार बेटे की देखरेख की और उसके स्वस्थ हो जाने पर वहाँ से विदा ले ली। सेठ जी के रोकने पर भी वह नहीं रुकी और अपने रुपयों की थैली भी उसके बेटे के लिए छोड़ आयी।

ग. किसने, किससे कहा?

1. बुढ़िया ने सेठ से कहा।
2. सेठ ने मुनीम से कहा।
3. सेठ ने बुढ़िया से कहा।
4. मुनीम ने सेठ से कहा।
5. बुढ़िया ने सेठ से कहा।

घ. सत्य अथवा असत्य लिखिए :

1. सत्य
2. असत्य
3. असत्य
4. असत्य
5. सत्य

भाषा-बोधः

क. कविता में आए तुकांत शब्दों को लिखिए -

1. तपस्या- ऋषि वन में तप करते हैं।
   ताप, दाह - गर्मी में सूरज की किरणों से धरती तप रही है।
2. हाथ- कर हमारे शरीर का एक महत्त्वपूर्ण अंग है।
   टैक्स - हमें समय से अपने सभी कर अदा करने चाहिए।
3. एक रंग- माँ ने लाल रंग की नई साड़ी पहनी है।
   बेटा - हर माँ को अपना लाल प्यारा होता है।
4. नतीजा - बुरे काम का बुरा फल ही मिलता है।
   खाने वाले फल - हमें प्रतिदिन फल खाने चाहिए।
5. एक पदार्थ जिससे चूड़ियाँ बनायी जाती हैं - राजस्थान में लाख की चूड़ियाँ मिलती हैं।
   सौ हज़ार (संख्या) - पिताजी ने एक लाख का नया फोन

खरीदा।

6. परंतु – मैं उससे मिलने उसके घर गया था, पर वह घूमने गया हुआ था।

पंख – चिड़िया के पर बहुत सुंदर लग रहे थे।

ख. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए –

1. अपना – अपनत्व, अपनापन
2. स्वार्थी – स्वार्थ
3. रोना – रुलाई
4. कठोर – कठोरता
5. बच्चा – बचपन
6. स्वस्थ – स्वास्थ्य

ग. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए–

1. बहुत अधिक कष्ट होना– अपनी सास के मुँह से अपनी बुराई सुनकर रिया का कलेजा जल गया।
2. कुछ असर न पड़ना– पिताजी के बार–बार डाँटने पर भी अनिल टस–से–मस न हुआ और मार खा बैठा।
3. बहुत मेहनत करनी– हमारी अच्छी पढ़ाई और पालन–पोषण के लिए पिताजी खून–पसीना एक करते हैं।
4. ठुकरा देना– वोट जीत जाने के बाद से मंत्री जी ने जनता से मुँह फेर लिया है।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में आए क्रिया-विशेषण को रेखांकित कीजिए–

1. दर्शन करने वाले <u>बाहर</u> निकले।
2. <u>धीरे–धीरे</u> करके बुढ़िया की हाँड़ी पूरी भर गई।
3. सेठ जी ने आँख से <u>धूर्ततापूर्वक</u> इशारा किया।
4. बुढ़िया <u>जोर–जोर</u> से रोने लगी।
5. ममता का अहसास पाकर मोहन ने <u>तुरंत</u> आँखें खोल दीं।

पाठ – 3 : नीलू

पाठ–बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ –

1. अल्सेशियन
2. कोमल ऊन के अधबुने स्वेटर की डलिया में
3. घर का बरामदा

4. चौदह वर्ष का

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर: 1. लूसी हिरनी के समान वेगवती थी। उसका शरीर ऐसे साँचे में ढला हुआ था जिसमें व्यर्थ माँस भी नहीं था। उसकी काली, पर छोटी आँखें उसकी बुद्धिमानी का पता देती थीं। उसके सजग खड़े कान और सघन, रोयेंदार तथा पिछले पैरों के टखनों को छूने वाली लंबी पूँछ थी। यह सब कुछ उसे राजसी विशेषता देता था। अत: इस प्रकार वह सामान्य कुत्तों से भिन्न थी।

उत्तर: 2. उत्तरायण में जो पगडंडी दो पहाड़ियों के बीच से मोटर मार्ग तक जाती थी, उसके अंत में मोटर स्टॉप पर एक ही दुकान थी, जिससे आवश्यक खाद्य सामग्री प्राप्त हो सकती थी। शीतकाल में यह दो पर्वतों के बीच का स्थान बर्फ से भर जाता था। उस समय असमर्थ उत्तरायण के जो निवासी दुकान तक पहुंचने में असमर्थ होते थे, वे लूसी के गले में रुपए और सामग्री की सूची के साथ एक बड़ा अँगोछा या चादर बाँधकर उससे सामान लाने का अनुरोध करते थे। अत: बर्फ के मार्ग पर सारे व्यवधान पारकर वह दुकान तक जाती थी।

उत्तर: 3. शीत ऋतु में प्राय: लकड़बग्घे ऊँचे पर्वतीय अंचल से नीचे उतर आते हैं और बर्फ में भटकते हुए मिल जाते हैं। कुत्ता इसका प्रिय खाद्य होता है। लूसी जब अपने 4-5 दिन के बच्चे को छोड़कर लूसी फिर दुबारा दुकान तक आने-जाने लगी थी तो एक संध्या के समय में वह ऐसी गई कि फिर लौटकर नहीं आयी। बर्फ के दिनों में शाम से ही गहरा अंधकार घिर आता है। अगली सुबह बर्फ पर कई बड़े-छोटे पंजों के तथा आगे-पीछे घसीटने-घिसटने के चिह्न देखकर निश्चय हो गया कि लकड़बग्घे के साथ बहुत संघर्ष के बाद ही लूसी की मृत्यु हुई होगी।

उत्तर: 4. नीलू अपनी माँ के समान ही विशिष्ट था। रोमों के भूरे, पीले और काले रंग के सम्मिश्रण से बना उसका रंग वह एक विशेष प्रकार का धूप-छाँही हो गया था। उसके कानों की चौड़ाई और नुकीलेपन में भी कुछ नवीनता थी। उसका सिर अन्य कुत्तों के सिर से बड़ा और चौड़ा था और पूँछ अल्सेशियन कुत्तों की पूँछ के सघन रोमों से युक्त; परन्तु ऊपर की ओर मुड़ी हुई कुंडलीदार थी। पैर अल्सेशियन कुत्ते के पैरों के सामान लंबे लेकिन पंजे भूटिये के समान

मजबूत, चौड़े और मुड़े हुए नाखूनों से युक्त थे। उसके शरीर के ऊपर का भाग चौड़ा परन्तु नीचे का भाग पतले पेट के कारण हलका और तीव्र गति का सहायक था। उसकी आँखें न काली, न भूरी और न कानी थीं बल्कि उन गोल काली कोरवाली आँखों का रंग शहद के रंग के समान था, जो धूप में तरल सुनहला हो जाता था और छाया में जमे हुए शहद जैसा पारदर्शी लगता था।

उत्तर: 5. बारह वर्षों से नीलू के बैठने का स्थान लेखिका के घर का बाहरी बरामदा ही था, जिसकी ऊपर सीढ़ी पर पोर्टिको के सामने बैठकर वह प्रत्येक आने-जाने वाले का निरीक्षण करता रहता था। लेखिका के घर में सबके सो जाने नीलू गर्मियों में बाहर लॉन में और सर्दियों में बरामदे में तख्त पर बैठकर पहरेदारी का कार्य करता था। रात में कई-कई बार वह पूरे कंपाउंड का और पशु-पक्षियों के घर का चक्कर लगाता रहता था। रात चाहे उजली हो या अंधेरी, चाहे बादल गरज रहे हों, चाहे आँधी चल रही हो, उसका चक्कर लगाना कभी रुकता नहीं था। अत: इस प्रकार नीलू लेखिका के घर की देखभाल करता था।

उत्तर: 6. लेखिका ने बंगले के रोशनदानों में प्राय: गौरेया तिनकों से घोंसले बना लेती थीं। उसे उनके परिश्रमपूर्ण बनाए हुए घोंसले उजाड़ना अच्छा नहीं लगता था। कुछ-कुछ अंकुर जैसे पंख निकलते ही वे पक्षी शावक उड़ने के प्रयास में असफल होकर रोशनदानों से नीचे गिरने लगते थे। इन दिनों नीलू उनके सतर्क पहरेदार का कर्तव्य संभाल लेता था। उसके भय से कोई भी अन्य कुत्ता-बिल्ली उन नादान उड़ने-गिरनेवालों को हानि पहुँचाने का साहस नहीं कर पाता था। कभी-कभी बहुत छोटे पक्षी-शावकों को पुन: घोंसले में रखवाने के लिए वह उन्हें हौले से मुख में दबाकर लेखिका के पास ले आता था। जब तक रोशनदान में सीढ़ी लगवाकर लेखिका उस बच्चे को घोसले में पहुँचाने की व्यवस्था न कर लेती, तब तक वह या तो बड़ी कोमलता से उसे मुँह में दबाए खड़ा रहता या उसके हाथ में देकर प्रतीक्षा की मुद्रा में देखता रहता।

उत्तर: 7. एक रात लेखिका के खरगोश बिल खोदते-खोदते पड़ोस के दूसरे कंपाउंड में जा निकले और उनमें से कई खरगोश जंगली बिल्ले द्वारा क्षत-विक्षत कर दिए गए। नीलू ने खरगोशों के संकट को पहचान लिया तथा उसके कूदकर

दूसरी ओर पहुँचते ही बिल्ला तो भाग गया, परंतु खरगोश को बाहर निकलने से रोकने के लिए वह रातभर ओस में भीगता हुआ सुरंग के द्वार पर खड़ा रहा। यह परोपकार नीलू के लिए बहुत महँगा पड़ा, क्योंकि उसे सर्दी लग जाने से न्यूमोनिया हो गया।

ग. रिक्त स्थान भरिए –

1. अल्सेशियन कुत्ता एक ही **स्वामी** को स्वीकार करता है।
2. शीत ऋतु में प्रायः **लकड़बग्घे** ऊँचे पर्वतीय अंचल से नीचे उतर आते हैं।
3. **लूसी** के लिए सभी रोए।
4. कुत्ते भाषा नहीं जानते, **ध्वनि** पहचानते हैं।
5. जीवन के समान उसकी मृत्यु भी **दैत्य** से रहित थी।

घ. सत्य अथवा असत्य लिखिए –

1. सत्य
2. सत्य
3. सत्य
4. असत्य
5. सत्य

भाषा-बोधः

क. निम्नलिखित वाक्यों को उचित परसर्ग भरकर पूर्ण कीजिए –

1. नीलू की कथा उसकी माँ की कथा से जुड़ी हुई है।
2. अल्सेशियन कुत्ता एक ही स्वामी को स्वीकार करता है।
3. वह दूध के अभाव में शोर मचाने लगा।
4. पक्षियों के कक्ष की दो फुट ऊँची दीवार पर जाली लगी हुई है।
5. खरगोशों को बाहर निकलने से रोकने के लिए वह रातभर ओस में भीगता रहा।

ख. निम्नलिखित वाक्यों को निषेधवाचक वाक्यों में बदलकर पुनः लिखिए –

1. मेरे पास अनेक जीव-जंतु नहीं हैं।
2. दूध के अभाव में उसने शोर नहीं मचाया।
3. मैंने अनेक कुत्ते नहीं देखे और नहीं पाले हैं।
4. वह शांत भाव से कड़वी दवा भी नहीं पीता था।
5. डाक्टर और नर्सें उससे परिचित नहीं हुए।

पाठ - 4 : जीवन नहीं मरा करता है

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. कल्पनाओं के
2. पानी कम बरसने से
3. बचपन
4. अंधकार को बढ़ाना

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. छिप-छिपकर आँसू बहाने वालो को कवि ने संदेश दिया है कि अपने आँसू रूपी मोतियों को व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए।
2. गीली उमर बनाने का अर्थ है कच्ची उम्र का होना।
3. माला के बिखर जाने से समस्या का हल हो जाता है क्योंकि माला टूटने पर यदि लोगों का ध्यान हमारे आँसूओं पर जाता है तो समझना चाहिए कि हमारी तपस्या पूरी हो गई।
4. 'तम की उमर बढ़ाने वाले' के लिए कवि ने कहा है कि निराशावादी दृष्टिकोण रखने से मन-मस्तिष्क में अँधेरा बढ़ता है और आशा रूपी प्रकाश की लौ की आयु कम हो जाती है।
5. नफरत को गले लगाने वाले लोगों के लिए कवि का संदेश है कि ऐसे लोग सदा नफरत का भाव मन में लिए रहते हैं। ऐसे लोगों का काम होता है हर समय दूसरों की निंदा करना, लेकिन ऐसे लोग यह भूल जाते हैं कि दर्पण का काम होता है केवल सच्चाई दिखाना।
6. प्रस्तुत कविता से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए। अपनी मंजिल पाने की कोशिश छोड़नी नहीं चाहिए। कुछ सपने पूरे होने का अर्थ यह नहीं है कि जीवन समाप्त हो गया।

ग. प्रस्तुत कविता से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तरः 1. कविता की इन पंक्तियों का सरलार्थ यह है कि वह मनुष्य जो जीवन में निराश होकर छुप-छुपकर आंसू बहा रहे हैं और अपने अमूल्य आँसू रूपी मोतियों को बेकार या बिना मतलब के लुटा रहे हैं। वह ऐसा अज्ञानतावश कर रहे हैं, क्योंकि यदि हमारे कुछ सपने साकार नहीं होते तो भी हमें आशा की उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। हमें निरंतर परिश्रम करते रहना चाहिए। एक दिन हमें जरूर सफलता मिलेगी ओर हमारे सपने जरूर साकार होंगे।

उत्तरः 2. कविता की इन पंक्तियों का सरलार्थ है कि माली प्रतिदिन उपवन के सभी फूलों को तोड़ लेता है, लेकिन वह वहाँ

फैली सुगंध नहीं लूट सकता। तूफान आते रहते हैं, परंतु सुगंध के स्रोत का वे कुछ नहीं बिगाड़ सकते।

भाषा-बोधः

क. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए -

1. पानी
2. आँसू
3. आँख
4. सावन
5. मुँह
6. दीपक

ख.. निम्न शब्दों को शुद्ध करके लिखिए -

1. अश्रु
2. दर्पण
3. गगरियाँ
4. वस्त्र
5. व्यर्थ
6. कश्तियाँ

ग. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए -

1. नेत्र, आँख, लोचन
2. बाग, बगीचा, वाटिका
3. किताब, ग्रंथ, पुस्तक
4. दिन, वार, दिवा
5. पुष्प, सुमन, कुसुम

घ. निम्नलिखित शब्दों लिए उपयुक्त विशेषण लिखिए -

1. सुनहरी
2. गहरी
3. पवित्र
4. हरा-भर
5. भयानक
6. चमकीला

पाठ - 5 : अशोक का शस्त्र त्याग

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. चार वर्ष से
2. कलिंग के महाराज मारे गए
3. कलिंग की राजकुमारी
4. बौद्ध धर्म

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. सम्राट अशोक की चिंता का मूल कारण यह था कि चार साल से कलिंग और मगध के बीच युद्ध हो रहा था पर कलिंग को जीता नहीं जा सका था। युद्ध में दोनों ओर के लाखों आदमी मारे गए और घायल हुए थे, पर फिर भी वे असफल थे।

उत्तरः 2. संवाददाता ने आकर सम्राट अशोक को समाचार दिया कि कलिंग के महाराज लड़ाई में मारे गए हैं।

उत्तर: 3. अशोक ने अपने सैनिकों के साथ शपथ लेकर प्रण किया कि या तो वे कलिंग के दुर्ग पर अधिकार कर लेंगे या सदा के लिए मृत्यु की गोद में सो जाएँगे।

उत्तर: 4. कलिंग दुर्ग का फाटक खुलते ही शस्त्र-सज्जित स्त्रियों की विशाल सेना फाटक के बाहर निकली। सेना के आगे पुरुष वेश में वीरांगना थी, जो कलिंग के महाराज की बेटी पद्मा थी। स्त्रियों की सेना अशोक की सेना से कुछ दूरी पर रुक गई। यह सब देखकर सम्राट अशोक और उनकी सेना चकित रह हो गई।

उत्तर: 5. पद्मा कलिंग के महाराज की बेटी थी। वह अपने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए सम्राट अशोक से द्वंद्व युद्ध करना चाहती थी।

उत्तर: 6. सम्राट अशोक ने राजकुमारी पद्मा के आगे अपना सिर झुका लिया क्योंकि वह अब और युद्ध नहीं करना चाहते थे। उन्होंने स्वयं को अपराधी मान लिया था।

उत्तर: 7. सम्राट अशोक ने बौद्ध भिक्षु के समक्ष प्रतिज्ञा ली कि जब तक उनके शरीर में प्राण रहेंगे अहिंसा ही उनका धर्म होगा। वह सबसे प्रेम करेंगे और उनकी करुणा का सदावर्त सबको मिलेगा और वह अपनी शक्तिभर बौद्ध भिक्षु की आज्ञा का पालन करेंगे।

ग. सत्य अथवा असत्य लिखिए -

1. असत्य
2. असत्य
3. सत्य
4. असत्य
5. असत्य

घ. किसने, किससे कहा?

1. सम्राट अशोक ने संवाददाता से कहा।
2. संवाददाता ने अशोक से कहा।
3. सम्राट अशोक ने अपने सैनिकों से कहा।
4. सम्राट अशोक ने कलिंग की राजकुमारी से कहा।
5. कलिंग की राजकुमारी ने सम्राट अशोक से कहा।

भाषा-बोध :

क. सुमेल कीजिए -

मुहावरे	अर्थ
1. लोहा लेना	ब. संघर्ष करना

2. आँखें दिखाना — द. क्रोधित होना
3. माँग का सिंदूर पोंछना — अ. पति को मार देना
4. पैर न रख सकना — स. आगे न बढ़ पाना

ख. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए –

1. गुप्तचर
2. द्वंद्व युद्ध
3. बौद्ध भिक्षु
4. निहत्था
5. नेता

ग. निम्नलिखित वाक्यों में कर्ता और क्रिया शब्द छाँटकर लिखिए–

		कर्ता	क्रिया
1.	आकाश में तारे चमकने लगे हैं।	तारे	चमकने लगे हैं
2.	अशोक अकेले टहल रहे हैं।	अशोक	टहल रहे हैं
3.	गुप्तचर समाचार लाया है।	गुप्तचर	लाया है
4.	हम कलिंग को नहीं जीत पाए हैं।	हम	जीत पाए हैं
5.	साक्षात् दुर्गा कलिंग की रक्षा करने उतर आई है।	साक्षात् दुर्गा	रक्षा करने उतर आई है

घ. उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग कर वाक्यों को पुनः लिखिए –

1. दोनों ओर के लाखों आदमी मारे गए हैं, लाखों घायल हुए हैं।
2. बोलते क्यों नहीं हो, तुम?
3. मगध की जय! सम्राट अशोक की जय!
4. क्यों, सिर क्यों झुका लिया महाराज?
5. तो लीजिए बदला, राजकुमारी!

पाठ – 6 : ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ –

1. 15 अक्टूबर सन् 1931
2. 'अ' व 'ब' दोनों
3. ब्राह्मण परिवार
4. पद्म विभूषण से

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

उत्तरः 1. कलाम का जन्म मद्रास राज्य (अब तमिलनाडु) के रामेश्वरम कस्बे में एक मध्यमवर्गीय मुसलिम परिवार में हुआ था।

उत्तरः 2. कलाम के पिता जैनुलाबिदीन की कोई अच्छी औपचारिक

शिक्षा नहीं हुई थी और न ही वे कोई बहुत धनी व्यक्ति थे। इसके बावजूद वह बुद्धिमान थे और उनमें उदारता की सच्ची भावना थी। उनकी माँ आशियम्मा, एक आदर्श जीवनसंगिनी थीं। उनके पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे और सभी अनावश्यक एवं ऐशो-आरामवाली चीजों से दूर रहते थे।

उत्तर: 3. नमाज की प्रासंगिकता के बारे में कलाम के पिता ने उन्हें बताया कि जब वे लोग नमाज पढ़ते हैं, तो वे अपने शरीर से अलग ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हैं, जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म-ग्रंथ का कोई भेदभाव नहीं होता।

उत्तर: 4. जलालुद्दीन कलाम को शिक्षित व्यक्तियों, वैज्ञानिक खोजों, समकालीन साहित्य और चिकित्सा विज्ञान की उपलब्धियों के बारे में बताते रहते थे। वही थे, जिन्होंने उन्हें सीमित दायरे से बाहर निकालकर नई दुनिया का बोध कराया। अत: इस प्रकार जलालुद्दीन ने कलाम के जीवन में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उत्तर: 5. कलाम ने 'अग्नि' की सफलता पर रक्षा मंत्री से आर. सी. आई. में एक लाख छोटे पौधे लगवाने का उपहार मांगा।

उत्तर: 6. 1939 ई० में द्वितीय विश्वयुद्ध का भारत में जरा भी असर नहीं था, लेकिन जल्दी ही भारत पर मित्र देशों की सेनाओं में शामिल होने का दबाव डाला गया और देश में एक तरह का आपातकाल घोषित कर दिया गया। उसका पहला नतीजा इस रूप में सामने आया कि रामेश्वरम स्टेशन पर गाड़ी का ठहरना बंद कर दिया गया। ऐसी स्थिति में अखबारों के बंडल रामेश्वरम और धनुषकोटि के बीच रामेश्वरम रोड पर चलती ट्रेन से गिरा दिए जाते थे। तब शम्सुद्दीन को ऐसे मददगार की तलाश हुई, जो अखबार के गिरे हुए बंडलों को उठाने में उनका हाथ बँटा सके। अत: इस काम में कलाम शम्सुद्दीन के मदद्गार बने।

उत्तर: 7. कलाम रामेश्वरम के प्राथमिक स्कूल में पाँचवी कक्षा में टोपी पहना करता था, जो उनके मुसलमान होने का प्रतीक थी। उस समय एक नये शिक्षक उनकी कक्षा में आए। उस समय कलाम कक्षा में हमेशा आगे की पंक्ति में जनेऊ पहने रामानंद शास्त्री के साथ बैठा करते थे। नए शिक्षक को उनका एक हिंदू लड़के के साथ बैठना अच्छा नहीं लगा और उन्होंने उसे उठाकर पीछे वाली बेंच पर चले जाने को

कहा। कलाम और रामानंद शास्त्री को यह बुरा लगा। स्कूल की छुट्टी होने पर उन्होंने घर जाकर सारी घटना अपने घरवालों को बताई। यह सुनकर लक्ष्मण शास्त्री ने नौजवान शिक्षक को बुलाया और कहा कि उसे निर्दोष बच्चों के दिमाग में इस तरह सामाजिक असमानता एवं सांप्रदायिकता का विष नहीं घोलना चाहिए तथा उसे बच्चों से क्षमा माँगने के लिए कहा।

उत्तर: 8. कलाम ने 'अग्नि' की सफलता पर रक्षा मंत्री से आर. सी. आई. में एक लाख छोटे पौधे लगवाने का उपहार माँगा।

ग. रिक्त स्थान भरिए –

1. घर में सभी आवश्यक वस्तुएँ **समुचित** मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं।
2. मैं और जलालुद्दीन **आध्यात्मिक** विषयों पर बातें करते।
3. अखबार **रामेश्वरम** स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से पहुँचते थे।
4. **भारतीय** स्वयं अपने भारत का निर्माण करेंगे।
5. **अग्नि मिसाइल** का प्रक्षेपण 22 मं 1989 को निर्धारित किया गया।

घ. सत्य अथवा असत्य लिखिए –

1. असत्य
2. सत्य
3. सत्य
4. असत्य
5. सत्य

भाषा-बोध:

क. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिये –

1. औ + प् + अ + च् + आ + र + इ + क् + अ
2. ब् + उ + द् + ध् + इ + म् + आ + न् +अ
3. आ + त् + म् + आ + न् + उ + श् + आ + स् +अ + न् +अ
4. प् + अ + र् + इ + क् + अ + र + म् + आ
5. त् + अ + न् + अ + ख् + व् + आ + ह् + अ
6. स् + अ + द् + भ्+ आ + व् + अ
7. स् + अ + म् + म् + आ+ न् + इ + त् + अ

ख. नीचे दिये गये वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय अलग-अलग करके लिखिए -

	उद्देश्य	विधेय
1.	मेरी माँ आशियम्मा	उनकी आदर्श जीवनसंगिनी थी।
2.	जलालुद्दीन	मुझसे करीब पंद्रह साल बड़े थे।
3.	शम्सुद्दीन	रामेश्वरम में अखबारों के एकमात्र वितरक थे।
4.	रामेश्वरम स्टेशन	पर गाड़ी को ठहरना बंद कर दिया गया।
5.	पिता जी	के सपने को साकार करना मेरा फर्ज है।

ग. निम्नलिखित वाक्यों को दिए गए काल के निर्देशानुसार बदलकर पुनः लिखिए -

1. हम लोग अपने पुश्तैनी घर में रहते हैं। (वर्तमान काल)
2. हम दोनों रोजाना शाम को दूर तक साथ घूमने जाया करेंगे। (भविष्यत् काल)
3. मैं अपने द्वारा कमाई पहली तनख्वाह पर गर्व महसूस करता था। (भूतकाल)
4. मेरी सफलता से पिता जी की बहुत उम्मीदें जुड़ी हैं। (वर्तमान काल)
5. यह पूरी तरह सफल प्रक्षेपण होगा। (भविष्यत् काल)

पाठ - 7 : कबीर की साखियाँ

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. साधू के धर्म से
2. तुच्छ चीज़ों से
3. आनंद
4. गोविंद के

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. तलवार और म्यान में से तलवार का महत्त्व ज्यादा होता है क्योंकि म्यान सिर्फ तलवार को ढकने का काम करती है पर ज्यादा महत्वपूर्ण कार्य तलवार का ही होता है।

उत्तरः 2. माला फेरते हुए मंत्र पढ़ना सच्ची पूजा नहीं है क्योंकि माला फेरने से किसी के मन का भाव नहीं बदलता, उसके मन की हलचल शांत नहीं होती। किसी भी व्यक्ति को हाथ

की माला को फेरना छोड़कर मन के भावों को बदलना या पवित्र करना चाहिए।

उत्तर: 3. कबीर हमें घास की निंदा करने से मना करते हैं क्योंकि यदि घास का एक तिनका भी उड़कर हमारी आँखों में पड़ जाए तो हमें पीड़ा होती है। इसलिए हमें इस घमंड में नहीं रहना चाहिए कि कोई हमसे छोटा या हीन है। हर किसी में कुछ-न-कुछ अच्छाई होती है।

उत्तर: 5. कबीर पानी को डरते-डरते पीते हैं क्योंकि उन्हें डर है कि उनके हृदय में लिखे गोविंद के गुण पानी पीने से धुल जाएँगे।

उत्तर: 6. कबीर ने अपने कुटुंब और अपने द्वार पर आने वाले साधु की जरूरतों के लिए भगवान से माँगा है कि उन्हें उतना ही धन, अन्न, जल प्रदान कीजिए जिससे वह अपना पेट भर सके और उनके द्वारा से साधु भी भूखा न जाये।

ग. निम्नलिखित साखियों के भावार्थ लिखिए -

उत्तर: 1. हमें कोई एक गाली दे और हम उलटकर उसे गालियाँ दें तो वे गालियाँ अनेक हो जाएँगी। कबीर कहते हैं कि यदि गाली को न पलटा जाये अर्थात यदि गाली का जवाब गाली से न दिया जाये तो वह गाली एक ही रहेगी और बढ़ेगी नहीं।

उत्तर: 2. कबीरदास जी कहते हैं कि अगर आपको कोई ठग जाता है तो कोई बात नहीं, पर आप स्वयं किसी को ठगने का प्रयास मत करो। हम ठग जायें तो एक तरह से इस बात का सुख होता है कि हमने स्वयं कोई अपराध नहीं किया पर किया पर अगर हम किसी दूसरे को ठगते हैं तो मन में अपने पकड़े जाने का भय होता है और कभी-न-कभी तो उसका दंड भी भोगना पड़ता है।

उत्तर: 3. कबीर जी कहते हैं कि उनके भगवान के बहुत सारे गुण हैं, जो उनके हृदय में लिखे हैं। वह डरते-डरते पानी भी नहीं पीते ताकि वे गुण मिट ना जाएँ।

भाषा-बोध:

क. बोलचाल की क्षेत्रीय विशेषताओं के कारण शब्दों के उच्चारण में परिवर्तन होता है, जैसे- 'वाणी' शब्द 'बानी' बन जाता है। उच्चारण के परिवर्तन से वर्तनी भी बदल जाती है। नीचे इसी तरह के कुछ शब्द दिए गए हैं, उनके शुद्ध हिंदी अर्थ लिखिए-

1. मोल, कीमत
2. तला, पैर के नीचे का हिस्सा

3. रहना 4. आँख

5. उलटकर 6. दिशाएँ

ख. निम्नलिखित तद्भव शब्दों को उनके तत्सम रूप से मिलाइए-

तद्भव		तत्सम
1. तलवार		र. तरवारि
2. जीभ		द. जिह्वा
3. मुँह		ब. मुख
4 आँख		स. अक्षि
5. सुमिरन		अ. स्मरण
6. दस		य. दश

पाठ - 8 : तीन बातें

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. मणिलाल को 2. दूध के साथ साबूदाना

3. 'अ' व 'ब' दोनों 4. सूर्योदय से पहले

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. गांधीजी को दक्षिण अफ्रीका की जेल से हर महीने एक पत्र लिखने और एक पत्र पाने का अधिकार मिला था। उन्होंने पत्र में इसी अधिकार की बात की है।

उत्तरः 2. गांधी जी को अपने पुत्र यह आशा है कि उन्होंने उस पर जो जिम्मेदारी डाली है, वह पूरी उसके योग्य है और उसे खुशी-खुशी निभा रहे होंगे।

उत्तरः 3. शिक्षा के विषय में गांधी जी की मान्यता थी कि केवल अक्षर ज्ञान ही शिक्षा नहीं है। सच्ची शिक्षा तो चरित्र निर्माण और कर्तव्य का बोध है।

उत्तरः 4. गांधी जी ने अपने पुत्र को संसार की जिन तीन महत्त्वपूर्ण बातों के विषय में बताया है वे तीन बातें हैं- अपनी आत्मा का, अपने आप का और ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना।

उत्तरः 5 गांधी जी ने अमीरी व गरीबी की तुलना करते हुए गरीबों को अधिक सुखद बताया है क्योंकि उन्हें अपना भावी जीवन गरीबी में बिताना था। गरीबी में इंसान को ज्यादा सुख-सुविधाओं की आवश्यकता होती है।

उत्तर: 6. गांधी जी ने अपने पुत्र को भविष्य में जीवन निर्वाह करने के लिए एक योग्य किसान बनने की सलाह दी है।

उत्तर: 7. गांधी जी के अनुसार काम की अधिकता से मनुष्य को घबराना नहीं चाहिए और न ही यह सोचना चाहिए कि यह कैसे होगा, और पहले क्या करें।

ग. रिक्त स्थान भरिए –

1. केवल **अक्षर** ज्ञान ही शिक्षा नहीं।
2. डिप्टी गवर्नर की **उदारता** से मुझे मालूम हुआ कि बा का स्वास्थ्य सुधर रहा है।
3. **गरीबी** में ही सुख है।
4. सभी **औज़ारों** को सदा साफ और सुव्यवस्थित रखना।
5. **संगीत** में भी बराबर रुचि रखना।

घ. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए –

1. दानी स्वभाव– हमें सबके साथ उदारता से व्यवहार करना चाहिए।
2. नजरिया– हमें अमीर–गरीब सबके लिए एक समान दृष्टिकोण रखना चाहिए।
3 फर्ज– अमित ने अपने बूढ़े माता–पिता के प्रति सभी कर्तव्य निभाए।
4. सुख देने वाला– हमारी शिमला यात्रा बहुत सुखद रही।
5. कीमती– समय बहुत मूल्यवान है।

भाषा–बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइये –

1. हर्षित	2. नियमित
3. उपयोगी	4. मूल्यवान
5. सुव्यवस्थित	6. चिंतित

ग. जिन वाक्यों में आज्ञा, अनुमति या प्रार्थना का भाव प्रकट किया जाता है, उन्हें आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं।

इस प्रकार, नीचे लिखे वाक्यों को आज्ञावाचक वाक्यों में बदलकर लिखिए –

1. तुम मेरी चिंता करो।
2. तुम अपनी ज़िम्मेदारी को खुशी–खुशी निभाओ।
3. तुम अपनी बीमार माँ को सँभालो।

4. हिंदी, गुजराती और अंग्रेजी के चुने हुए भजनों एवं कविताओं का संग्रह तैयार करो।

5. तुम पैसे-पैसे का हिसाब रखो।

पाठ - 9 : टॉर्च बेचने वाला

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. अब वह आध्यात्मिक गुरु बनना चाहता था।

2. पैसा कैसे पैदा करें? 3. संत

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. लेखक को टॉर्च बेचने वाले की बातें सुनकर लगा कि शायद वह संन्यास ले रहा है।

उत्तरः 2. टॉर्च बेचने वाले ने टॉर्च कंपनी का नाम सूरज छाप रखा क्योंकि उसके अनुसार 'सूरज छाप' टॉर्च में वह प्रकाश है, जो अंधकार को दूर भगा देता है।

उत्तरः 3 दोनों मित्रों ने मिलने के लिए पाँच वर्षों का समय निर्धारित किया क्योंकि वे दोनों पैसा कमाने के लिए कुछ काम-धंधा करने के लिए अलग-अलग दिशाओं में अपनी-अपनी किस्मत आजमाने निकल पड़ें थे और पाँच साल बाद मिलने की सोची थी।

उत्तरः 4 टॉर्च बेचने वाला अपनी टॉर्च लोगों को बचने के लिए उनसे कहता था कि आजकल सब जगह अँधेरा छाया रहता है। रातें बेहद काली होती हैं। अपना ही हाथ नहीं सूझता । आदमी को रास्ता नहीं दिखता। वह भटक जाता है। उसके पाँव काँटों से बिंध जाते हैं। वह गिरता है और उसके घुटने लहूलुहान हो जाते हैं। उसके आसपास भयानक अँधेरा है। शेर और चीते चारों तरफ घूम रहे हैं, साँप जमीन पर रेंग रहे हैं। अँधेरा सबको निगल रहा है। अँधेरा घर में भी है। आदमी रात को पानी पीने उठता है और साँप पर उसका पाँव पड़ जाता है। साँप उसे डस लेता है और वह मर जाता है।

उत्तरः 5. टॉर्च बेचने वाले का मित्र मंच पर भव्य संत के रूप में था और वह वहाँ प्रवचन दे रहा था।

उत्तरः 6. कई वर्षों बाद दोनों मित्रों ने मिलकर अपने-अपने व्यवसाय पर चर्चा की।

ग. रिक्त स्थान भरिए –

1. अब तो **आत्मा** के भीतर टॉर्च जल उठा है।
2. **भव्य** पुरुष फिल्मों के संत लग रहे थे।
3. मनुष्य की आत्मा **भय** और **पीड़ा** से त्रस्त है।
4. परिवर्तन जीवन का **अनंत** क्रम है।
5. मैं **अँधेरे** का डर दिखाकर लोगों को टॉर्च बेचता हूँ।

घ. सत्य अथवा असत्य लिखिए –

1. सत्य
2. सत्य
3. सत्य
4. सत्य
5. असत्य

भाषा-बोधः

क. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग कीजिए-

	शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	नाटकीय	नाटक	ईय
2.	मौलिक	मूल	इक
3.	गंभीरता	गंभीर	ता
4.	आध्यात्मिक	अध्यात्म	इक
5.	ज्योतिहीन	ज्योति	हीन
6.	दार्शनिक	दर्शन	इक

ख.. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा उनके भेद भी लिखिए –

1. <u>वह</u> पहले चौराहों पर बिजली की टॉर्च बेचा करता था। पुरुषवाचक सर्वनाम
2. मैं <u>खुद</u> लोगों से कहता हूँ कि अंधकार छाया है। निजवाचक सर्वनाम
3. <u>वे</u> खूब पुष्ट हैं। निश्चयवाचक सर्वनाम
4. <u>उन्होंने</u> गुरु गंभीर वाणी में प्रवचन शुरु किया। पुरुषवाचक सर्वनाम
5. उसके भीतर <u>कुछ</u> बुझ गया है। अनिश्चयवाचक सर्वनाम

ग. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

1. बहुत ऊँचा होना- आसमान को छूती हुई ऊँची-ऊँची इमारतें चारों ओर दिख रही हैं।

2. घबरा जाना- अपने ही घर में चोरी करते हुए पकड़े जाने पर रवि को पसीना आ गया।

3. उपेक्षा करना- राधिका ने शादी होते ही अपने सभी रिश्तेदारों से मुँह फेर लिया।

4. भाग्य के भरोसे काम करना- महेश ने नया व्यापार शुरु करके अपनी किस्मत आजमायी।

घ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए -

1.	नरम	2.	प्रकट
3.	पाताल	4.	सुंदर
5.	अभय	6.	बाहर
7.	चंचल	8.	आदि

पाठ - 10 : सरिता

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. छोटी नदी
2. 'अ' व 'ब' दोनों
3. एक थके मुसाफिर की

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. सरिता के जल को चंचल कहा गया है क्योंकि जल का गुण ही चंचलता है।

उत्तरः 2. जल की तुलना दूध से की गई है क्योंकि जल दूध जैसा स्वच्छ एवं निर्मल है।

उत्तरः 3. वसुधा का अंतस्तल धोने में जल को दिन-रात और जीवनपर्यन्त कंकड़-पत्थरों में बहते रहना होता है।

उत्तरः 4. पथिक को सरिता का बहता हुआ जल सुख देता है। पथिक अपनी राह में इस शीतल जल को पीकर तृप्त होता है।

उत्तरः 5 'रे जननी का अंतस्तल' में जननी धरती को कहा गया है।

उत्तरः 6. 'सरिता' कविता में सरिता मे बहुत सारी खूबियों का बखान किया गया है कि इसका बहता हुआ जल बहुत अधिक ठंडा व स्वच्छ है। हिमालय के हिम से बहकर आनेवाला यह पानी दूध जैसा स्वच्छ व निर्मल है। सरिता कल-कल की ध्वनि में गान करते हुए चंचल चाल और निर्मल भाव से आगे बढ़ती है। सरिता का यह जल ऊँचे पर्वतों से नीचे गिरकर दिन-रात और जीवनपर्यंत कंकड़-पत्थरों में बहते हुए

पृथ्वी का दिल धोता रहता है। इस जल को पीकर पथिक भी तृप्त होता है। सरिता का जल निरंतर ताप सहकर भी अत्यधिक ठंडा रहता है। सरिता का यह जल तृप्त करने वाला है। गंगा, यमुना, सरयू का स्वच्छ जल युग-युग से निरंतर बहता चला आ रहा है।

उत्तर: 7. सरिता के जल से हमें निरंतर आगे बढ़ते रहने की और स्वयं कष्ट सहकर दूसरों को सुख देने की प्रेरणा मिलती है।

ग. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए -

उत्तर: 1. कविता की इन पक्तियों का भावार्थ है कि छोटी नदी का का बहता हुआ जल निरंतर ताप सहकर भी अत्यधिक ठंडा है। ऐसा है इस छोटी नदी का प्रवाहित जल।

उत्तर: 2. कविता की इन पंक्तियों का भावार्थ है कि हमारी धरती (जननी) का यह शीतल जल तृप्त करने वाला है। यह स्वच्छ जल युग-युग से निरंतर बहता चला आ रहा है।

घ. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइये -

1. स्वच्छ- गंगा नदी विमल है।
2. छोटा- मैंने लघु प्रश्नों के उत्तर याद करके अध्यापिका को सुनाए।
3. नाजुक- नवजात शिशु के हाथ-पैर बहुत कोमल हैं।
4. शांति- पहाड़ों पर शीतल वातावरण होता है।
5. रहम- सेठ जी के स्वभाव में मजदूरों के लिए करुणा है।

भाषा-बोध :

क. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए -

1. सरिता - नदी, तटिनी
2. पथिक - यात्री, राहगीर
3. गिरि - पर्वत, पहाड़
4. मृदु - कोमल, नाजुक
5. रजनी - रात, रात्रि
6. निर्मल - पवित्र, स्वच्छ

ख. संधि कीजिए -

1. निः + मल = निर्मल
2. अंतः + तल = अंतस्तल
3. वि + आकुल = व्याकुल
4. पो + इत्र = पवित्र

ग. नीचे दिये गये अनेकार्थक शब्दों के दो अलग-अलग अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिये -

1. हाथ-उसने करों में चूड़ियाँ नहीं पहनी थीं।
   टैक्स- हमें समय से अपने सभी करों का भुगतान करना

चाहिए।

2. आने वाला कल- कल से मेरी वार्षिक परीक्षा शुरु हो रही हैं।
   मशीन- फैक्ट्री में नये कल का प्रयोग करके उत्पादन बढ़ाया गया।
3. बर्फ- ठंड के मौसम में पहाड़ों पर हिम देखने को मिलती है।
4. किनारा- चाकू की धार तेज़ होने से मेरी अंगुली कट गई।
   नदी की धारा- नदी की धार बहकर तट पर आ रही है।

पाठ - 11 : भेड़ों की गिनती

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. सात बजकर पैंतालीस मिनट
2. एक बड़ा-सा कुत्ता
3. भेड़ों की रखवाली
4. 'अ' व 'ब' दोनों

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर: 1. डॉक्टर शेर सिंह ने अपने बैग में स्टेथेस्कोप, थर्मामीटर, इंजेक्शन की सिरिंज को रखा। वह बैग को हर रोज घर ले जाते थे क्योंकि कभी भी अचानक उसकी जरूरत पड़ सकती थी।

उत्तर: 2. डॉक्टर शेरसिंह ने स्टेथेस्कोप से माइको की जाँच करके उसे बताया कि वह बिलकुल ठीक है।

उत्तर: 3. माइको को नींद न आने की समस्या थी, जिसके कारण वह डाक्टर के पास गया था।

उत्तर: 4. डॉक्टर के पास आने से पहले माइको नींद लाने के लिए बिस्तर पर जाने से पहले काफी दूर तक टहलने जाता था। कभी-कभी गर्म कॉफी या चाय भी पीता था। कभी शीतल पेय पीता था। उसने भरपेट खाना खाकर भी देखा, बिना खाए भी सोने की कोशिश की। बंदर टोपी पहनकर, आँख-कान ढककर भी सोने की कोशिश की, लेकिन सब बेकार रहा।

उत्तर: 5. नींद लाने के लिए डॉक्टर ने माइको को मन-ही-मन भेंड़े या कौवे गिनने की सलाह दी। इन सबसे माइको को कुछ सफलता नहीं मिली।

उत्तर: 6. डॉक्टर ने माइको को सलाह दी कि वह किसी सुंदर बाग-बगीचे में जाकर उसके रंग-बिरंगे फूलों पर ध्यान दे।

माइको ने ऐसा किया भी परंतु उसके साथ दूसरी समस्या खड़ी हुई कि बगीचे के फूलों पर बैठी मधुमक्खियों ने माइको को जगह-जगह काट लिया।

उत्तर: 7. यह कहानी आधुनिक जीवन शैली के इस दोष पर व्यंग्य करती है कि आज के समय में मनुष्य कुछ काम न करके भी नींद न आने की समस्या से जूझ रहा है।

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

1. बाहर की बेंच पर अब कोई भी **मरीज** नहीं था।
2. डॉक्टर शेरसिंह ने **डॉक्टरी** अंदाज में सिर हिलाया।
3. मेरे पूर्वज **डेनमार्क** के रहने वाले थे।
4. **भेड़ों** का नाम सुनते ही उनकी आँखें खुल गईं।
5. दवाखाने में **शांति** छा गई।

घ. किसने, किससे कहा?

1. डॉक्टर और शेर सिंह ने माइको से कहा।
2. माइको ने डॉक्टर शेर सिंह से कहा।
3. डॉक्टर शेर सिंह ने माइको से कहा।
4. डॉक्टर शेर सिंह ने माइको से कहा।
5. माइको ने डॉक्टर शेर सिंह से कहा।

भाषा-बोध :

ग. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए -

1. उसी समय जब आदमी लोग सोते हैं।
2. मैं सारा दिन भेड़ों का ही तो पीछा करता रहता हूँ।
3. यह तो तुम्हारा काम ही है।
4. मधुमक्खियों को मुझ पर दया आ गयी।
5. आपने इतनी पेरशानी क्यों उठाई?

पाठ - 12 : संतुलित भोजन

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. संतुलित भोजन का
2. दूध, दही व दालें
3. विटामिन 'डी'
4. 8-10 गिलास

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर: 1. ऐसा भोजन, जिसमें सभी पोषक तत्त्व संतुलित मात्रा में हों, संतुलित भोजन कहलाता है।

उत्तर: 2. भोजन करने के उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

1. दैनिक कार्यों में हमारे शरीर के अंगों एवं मांसपेशियों में छीजन होती रहती है। संतुलित भोजन इस दैनिक छीजन को पूरा करने का काम करता है।

2. शरीर द्वारा किए जाने वाले कार्यों के लिए शक्ति प्रदान करना। समय पर भोजन न करने से शरीर में निर्बलता का आभास होने लगता है। जो लोग शारीरिक श्रम अधिक करते हैं, उन्हें अधिक भोजन की आवश्यकता होती है।

3. शरीर की विभिन्न क्रियाओं को नियमित करना एवं शरीर को स्वस्थ रखना।

उत्तर: 3. कैल्शियम और फास्फोरस - हमारे दाँत और हड्डियाँ मजबूत बनाते हैं। यह खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में नहीं लेने से हमारी हड्डियाँ कमजोर रह जाती हैं। कैल्शियम और फास्फोरस का मुख्य स्रोत दूध है, इसलिए हमें पर्याप्त मात्रा में दूध पीना चाहिए।

उत्तर: 4. कार्बोहाइड्रेटस हमें शक्ति देते हैं। इनके मुख्य स्रोत गेहूँ, चावल, बाजरा, मक्का आदि अनाज तथा आलू, शकरकंद आदि सब्जियाँ, चीनी तथा गुड़ हैं।

उत्तर: 5. हमारे खून का लाल रंग उसमें उपस्थित लोहे के कारण होता है।

उत्तर: 6.

प्रमुख विटामिन	मुख्य स्रोत
विटामिन ए	दूध, मक्खन, फल, गाजर, हरी सब्जियाँ
विटामिन बी	गेहूं, जौ, चावल, दुग्ध उत्पाद, सूखे मेवे, मूँगफली
विटामिन सी	संतरा, आँवला, नींबू जैसे खट्टे फल, टमाटर, प्याज, अंकुरित चने, दाल
विटामिन डी	सूरज की धूप, दूध
विटामिन ई	हरी सब्जियाँ, सूखे मेवे, मछली
विटामिन के	पत्तेदार सब्जियाँ

उत्तर: 7. विटामिन 'के' का सेवन खून के थक्के बनाने में सहायक है जिससे कि चोट लगने या अन्य कारणों से होने वाले रक्त स्राव से बचाव होता है।

उत्तर: 8. संतुलित भोजन इसका सेवन करना हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है। संतुलित भोजन खाने से हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

उत्तर: 9. संतुलित भोजन लेते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए-

1. खाने की मात्रा और खाने का समय का ध्यान रखें।
2. खाने की वस्तुएँ साफ-सुथरी हों तथा उन्हें ठीक प्रकार से पकाया गया हो।

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

1. हमें स्वस्थ रहने के लिए **संतुलित** भोजन का सेवन करना चाहिए।
2. संतुलित भोजन के अभाव में अनेक प्रकार के **शारीरिक** रोग उत्पन्न होते हैं।
3. अधिक मात्रा में **वसा** खाने से यह शरीर में एकत्र हो जाती है।
4. विटामिन 'ए' हमें **संक्रामक** रोगों से बचाता है।
5. **विटामिन सी** की कमी से मसूड़े कमजोर पड़ जाते हैं।

घ. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए -

1 नाश, क्षय-तूफान में बहुत पेड़-पौधों का छीजन हो गया।
2. कमजोरी - बीमारी में सही तरीके से खाना न खाने पर दादी के शरीर में निर्बलता आ गयी।
3. दूसरों में तेजी से फैलने वाला - कोरोना एक संक्रामक रोग है।
4. मेहनत-मजदूर हमारा घर बनाने के लिए बहुत मेहनत करते हैं।
5 कमी - संतुलित भोजन के अभाव से हमें कई बीमारियाँ हो जाती हैं।

भाषा-बोध:

क. निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द व प्रत्यय अलग करके लिखिए-

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	आवश्यक	ता
2.	दुर्बल	ता
3.	शरीर	इक
4.	मानस	इक
5.	नियम	इत
6.	अधिक	ता
7.	निरोग	ई

ख. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर निपात लगाकर उन्हें पुनः लिखिए:

1. हमें संतुलित भोजन ही करना चाहिए । (ही)
2. दूध और दही में प्रोटीन भी पर्याप्त मात्रा में होता है। (भी)
3. ग्लूकोज से भी शरीर में शक्ति पहुँचती है। (भी)
4. संतुलित आहार को लेना ही पर्याप्त नहीं है। (केवल, ही)
5. हमारा भोजन तो स्वादिष्ट होना चाहिए। (तो)

पाठ - 13 : आजाद सदैव आजाद ही रहे

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. 23 जुलाई सन् 1906 में
2. आठ रुपये
3. झाँसी में
4. 27 फरवरी सन् 1931 में

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर: 1. मजिस्ट्रेट को बालक आजाद के निर्भीकता से दिये गये उत्तर सुनकर गुस्सा आया। उसने बालक आजाद को पंद्रह कोड़े लगाने की सजा दी।

उत्तर: 2. चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 में मध्यप्रदेश में झाबुआ जिले के भाबरा नामक ग्राम में हुआ था। उनके पिता पं० सीताराम तिवारी उन्नाव जिले के बदरका नामक ग्राम के निवासी थे।

उत्तर: 3. चंद्रशेखर आजाद और उनके साथियों ने क्रांतिकारी आंदोलन सन् 1921 में छेड़ दिया क्योंकि किंतु सत्याग्रहियों पर होने वाले अमानुषिक अत्याचारों को उनका हृदय सहन न कर सका। चौरी-चौरा का हत्याकांड होने पर महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया। चंद्रशेखर आजाद और उनके साथियों के मन में यह विचार उठा कि अहिंसा द्वारा जागृति तो हो सकती है, किंतु विदेशी सरकार को आतंकित करने के लिए सशस्त्र उपायों का अवलंबन अनिवार्य है; अतः उन्होंने क्रांतिकारी आंदोलन छेड़ दिया।

उत्तर: 4. क्रांतिकारियों ने सन् 1925 की 9 अगस्त को काकोरी के पास एक पैसेंजर गाड़ी को रोककर सरकारी खजाना लूटा।

उत्तर: 5. काकोरी केस में पकड़े गये क्रांतिकारियों के नाम रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशनसिंह, अशफाक उल्ला खाँ तथा राजेंद्रनाथ लाहिड़ी थे और उन्हें फाँसी की सजा दी गई।

उत्तर: 6. पुलिस ने चंद्रशेखर आजाद को पकड़ने के लिए बड़े-बड़े इनाम घोषित किये। हिंदुस्तान के प्रत्येक नगर और गाँव में उनके फोटो चिपकाये गये, परंतु वह पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ रहे थे क्योंकि आजाद किसी जंगल या पहाड़ में छिपकर नहीं रहते थे। वह वेश और नाम बदलकर जगह-जगह घूमते रहते थे और चारों ओर घूम-घूमकर अपने दल का संगठन करते थे। कई बार उनका ऐसे गुप्तचरों से भी साथ हो गया था, जो उन्हीं को पकड़ने की फिराक में थे। आजाद को देखकर उन्हें बार-बार संदेह होता था, लेकिन वेशभूषा और बातचीत करने के ढंग को देखकर उनका मन उन्हें आजाद मान लेने को तैयार न होता था। आजाद उनके साथ अपने ही पकड़वाने के उपायों पर बातचीत करके चले आते। झाँसी में कुछ दिनों तक उन्होंने मोटर ड्राइवर बनकर मोटर चलाना सीखा और पुलिस सुपरिटेंडेंट को अपना मोटर-चालान दिखाकर ड्राइवरी का लाइसेंस भी प्राप्त कर लिया।

उत्तर: 7. भगतसिंह और राजगुरु ने गोली से लाहौर के डिप्टी सुपरिटेंडेंट सांडर्स को उड़ा दिया क्योंकि साइमन कमीशन का विरोध करते हुए पंजाब केसरी लाला लाजपत राय को पुलिस ने लाठियों से इतनी बुरी तरह पीटा कि कुछ दिनों बाद उनकी मृत्यु हो गयी। सारा देश राष्ट्र के इस अपमान से क्षुब्ध हो उठा। क्रांतिकारी दल ने आजाद और भगतसिंह के नेतृत्व में इसका बदला लेने का निश्चय किया और योजना के अनुसार आजाद की देख-रेख में भगतसिंह और राजगुरु ने उन्हें गोली से उड़ा दिया, क्योंकि उसकी लाठी से लाला जी घायल हुए थे।

उत्तर: 8. प्रयाग में एक दिन जब आजाद अल्फ्रेड पार्क में बैठे हुए थे, तब एक विश्वासघाती के सूचना देने पर पुलिस ने उन्हें घेर लिया। पुलिस के घेरे से बच निकलने का उपाय न देखकर वह एक विशाल वृक्ष की आड़ में स्थिर भाव से खड़े होकर अपने रिवाल्वर से गोलियाँ चलाने लगे। पुलिस के विशाल दल में से किसी व्यक्ति को उनके पास पहुँचने का साहस न हुआ। यह लड़ाई लगभग एक घंटा चली और आजाद की गोलियों से पुलिस के कई आदमी घायल हुए। जब उनके पास केवल एक गोली बची, तब उसे उन्होंने स्वयं अपनी कनपटी पर दाग लिया और 27 फरवरी सन् 1931 के दिन वह अमर होकर भारत माता की गोद में

सदा के लिए सो गये।

ग. रिक्त स्थान भरिए –

1. काशी के जिला मजिस्ट्रेट की **अदालत** में बड़ी भीड़ थी।
2. हमारा वास्तविक कार्य भारत माता की **स्वाधीनता** की साधना ही हो सकता है।
3. आजाद का **बाल्यकाल** अत्यधिक निर्धनता में व्यतीत हुआ।
4. सारे देश में **क्रांतिकारियों** की गुप्त सभाएँ होने लगीं।
5. **स्फूर्ति** उनके अंग-अंग से झलकती थी ।

घ. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए –

1. सावधान रहना–हमारे सैनिकों की सतर्कता से दुश्मन के आक्रमण को नाकाम कर दिया गया।
2. क्रोध–बच्चों का शोर सुनते ही अध्यापिका के चेहरे पर रोष आ गया।
3. आकाश को भेदने वाला– गली में गगनभेदी शोर हो रहा था।
4. समूह– नेताजी अपनी पार्टी के संगठन के लिए जिम्मेदार हैं।
5. कृतज्ञ होने का भाव– कृतज्ञता का गुण व्यक्ति को बहुत अधिक सफल बना देता है।

भाषा-बोध :

क. संधि कीजिए :

1.	पराधीन	2.	सत्याग्रह
3.	अत्याचार	4.	निश्चय
5.	स्वाधीन	6.	संगठन

ख.. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए –

1.	सत्याग्रह का सहारा लेने वाला	– सत्याग्रह्ही
2.	विश्वास में लेकर धोखा देने वाला	– विश्वासघाती
3.	उपकार के प्रति एहसान मानना	– कृतज्ञ
4.	जो मनुष्य के लिए उचित न हो	– अनुचित
5.	दूसरों की गुप्त बातों का पता लगाने वाला	– गुप्तचर

ग. 'स्व' उपसर्ग एवं 'ता' प्रत्यय का प्रयोग करके पाँच-पाँच शब्द लिखिए –

'स्व' उपसर्ग	'ता' प्रत्यय
स्वतंत्र	एकता
स्वदेश	धार्मिकता

स्वजन	सामाजिकता
स्वधर्म	नैतिकता
स्वागत	सफलता

पाठ - 14 : फिर क्या होगा उसके बाद?

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. बड़ा होने पर उसका विवाह हो जायेगा
2. आकाश के नक्षत्रों जैसे सुंदर
3. शिशु एक ही प्रश्न बार-बार पूछ रहा था

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. बालक माँ से प्रश्न कर रहा था फिर क्या होगा उसके बाद।

उत्तरः 2. जब माँ शिशु से कहती है कि उसकी शादी होगी और घर में चाँद व सूरज से भी सुंदर बहू आएगी और वह कोमल होगी। यह सब सुनकर शिशु के मुख पर मुसकान आ गयी।

उत्तरः 3. शिशु को अपने खिलौने ले जाने का भय भविष्य में अपने होने वाले बच्चों से था।

उत्तरः 4. जब माँ शिशु से कहती है कि वह बूढ़ी होकर मर जाएगी, तब यह सुनकर शिशु की आँखें भर आयीं।

उत्तरः 5. बालक की जिज्ञासा उसके दुःख पर विजय प्राप्त करती है क्योंकि वह पलभर रोने के बाद तुरंत अपने आँसू पोंछकर दुबारा से उत्सुकता से अपनी माँ से प्रश्न करता है 'फिर क्या होगा उसके बाद'?

ग. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का सरलार्थ लिखिए -

उत्तरः 1. कविता की इन पंक्तियों में माँ शिशु से कह रही है कि उसकी शादी के बाद घर में उसकी वधू आएगी जो कि सूरज से भी ज्यादा उज्जवल और चंद्रमा से भी ज्यादा सुंदर होगी और पौधे के नए कोमल पत्तों के समूह से भी ज्यादा कोमल होगी।

उत्तरः 2. कविता की इन पंक्तियों का सरलार्थ यह है कि माँ के मुँह से उसके मरने की बात सुनकर शिशु की आँखें आँसुओं से भर जाती हैं परंतु वह उसी पल आँसू पोंछकर उत्सुकता से फिर से माँ से प्रश्न करने लगता है।

भाषा-बोध :

क. कविता में आए हुए निम्नलिखित विशेष्य शब्दों के लिए उचित विशेषण लिखिए -

1. सुंदर
2. प्यारी
3. नवजात
4. नए
5. नीले
6. तप्त
7. शिथिल
8. शैतान

ख. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए -

1. आँख
2. नीरसता
3. आसमान
4. सूरज
5. थकान
6. दुल्हन
7. खुशी
8. चाँद

पाठ - 15 : भय और साहस

पाठ-बोधः

क. सही उत्तर के आगे सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. भय
2. 'अ' व 'ब' दोनों
3. संयम तथा धैर्य
4. दृढ़ इच्छा शक्ति की

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तरः 1. वर्तमान काल में विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्रों को यह भय रहता है कि अफ्रीका और एशिया के विकासशील देश कहीं उनसे शक्ति तथा धन में आगे न निकल जाएँ।

उत्तरः 2. भय की संभावना होने से अथवा भय के कारण से राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न धर्मों, जातियों एवं संप्रदायों के बीच तरह-तरह के दंगे-फसाद, झगड़े आदि होते हैं। आतंकवादी गतिविधियों का लक्ष्य भी शत्रु देश के निवासियों में इतना भय फैलाना होता है कि वहाँ की सरकार तथा जन-जीवन ही ठप्प हो जाए।

उत्तरः 3. भय से पीड़ित व्यक्ति तरह-तरह की चिंताओं और आतंक का शिकार बनता है। इसके कारण वह अनेक शारीरिक और मानसिक रोगों से भी पीड़ित हो जाता है। उनके व्यक्तित्व का विकास रुक जाता है। उसे मनोवांछित सुख तथा सफलता कभी नहीं मिल पाती। दिन में जागते हुए उसे अनेक प्रकार की चिंताएँ सताती रहती हैं, जिससे वह

शीघ्र ही किसी-न-किसी बीमारी की चपेट में आ जाता है। सोते समय उसका भय भाँति-भाँति के भयानक सपनों के रूप में प्रकट होता है। इस प्रकार उसे न दिन का चौन मिलता है और न रातों का सुख।

उत्तर: 4. भय अनेक रूपों में प्रकट होता है। भय से ही वह चिंता उत्पन्न होती है, जिसे चिता से भी अधिक पीड़ादायक माना जाता है। ईर्ष्या-वैर, संशय, अंधविश्वास, असहनशीलता, अति लोभ, घोर कंजूसी, अतिखर्चीलापन आदि भय के विभिन्न रूप हैं।

उत्तर: 5. भय मनुष्य के अंग-प्रत्यंग और मस्तिष्क को आलसी बनाने का यत्न करता है, जो कि मनुष्य की प्रसन्नता और कार्यकुशलता नष्ट होने का कारण है।

उत्तर: 6. शरीर के अंग-प्रत्यंग को जमा देने वाली सर्दी, कभी भी आने वाले बर्फानी तूफान और ऊँचाई के कारण सांस लेने में होती हुई कठिनाई और इस पर चोटी की चढ़ाई इतनी सीधी कि अगर कदम फिसले तो अनंत गहरी घाटी में गिरकर मौत के भयानक मुँह में जा सकते हैं। लेकिन हिमालय पर्वत की चोटी एवरेस्ट, जो संसार की सबसे ऊँची चोटी है, की ओर चढ़ते हुए तेनसिंह ने यह सब नहीं सोचा। वह तो बस एक-एक कदम आगे बढ़ाता हुआ चोटी की ओर बढ़ते जा रहा था। ऐसा नहीं है कि वह मृत्यु की संभावना को जानता नहीं था, लेकिन उसके अपार साहस के सामने पर्वत शिखर पर चढ़ने की रोमांचक कठिनाइयाँ, भयानक कष्ट और मृत्यु कुछ भी नहीं ठहर पाता था। उसका बस एक ही सपना था- एवरेस्ट पर विजय पाना। भयानक कष्टों और मृत्यु के बारे में विचार करने की न उसे फुरसत थी न इच्छा और अंत में तेनसिंह के इस साहस ने एवरेस्ट की चोटी पर विजय पाकर सारे संसार को चकित कर दिया।

उत्तर: 7. अंतरिक्ष, अग्नि-शमन, विभिन्न सेवा क्षेत्र, विमान चालक, सागर की गहराई में जाने वाले गोताखोर, उत्तरी तथा दक्षिणी ध्रुव की खोज करने के लिए वैज्ञानिक क्षेत्र आदि ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें आवश्यक रूप से अधिक साहस से काम लेने की आवश्यकता पड़ती है।

उत्तर: 8 साहसी व्यक्ति अपने विचारों तथा ध्यान को कार्य की सफलता की ओर केंद्रित रखता है। उसे अपने कार्य से संबंधित आवश्यक जानकारी होती है वह अपने साहसपूर्ण

कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुका होता है। वह दूसरों की कटु आलोचनाओं या टिप्पणियों से प्रभावित नहीं होता। समस्याओं और कठिनाइयों को स्वयं हल करने और समयानुसार स्वतंत्र निर्णय लेने की योग्यता उसमें होती है। उसमें अपनी भावनाओं और विचारों को नियंत्रित करने की शक्ति होती है। उसमें आत्मविश्वास और अपनी सफलता का अटूट निश्चय होता है। वह चिंता और क्रोध करने की बजाय घोर संकट में भी अपने मनोमस्तिष्क को संतुलित रखता है।

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

1. **आतंकवादी** गतिविधियों का लक्ष्य शत्रु देश के निवासियों में भय फैलाना होता है।
2. भय के कारण व्यक्ति अनेक **शारीरिक** और **मानसिक** रोगों से भी पीड़ित हो जाता है।
3. जीवन की समस्याओं और कठिनाइयों को देखकर भागना **कायरता** है।
4. **निर्भयता** ही साहस है।
5. **साहसी** व्यक्ति को अपने कार्य से संबंधित भय का ज्ञान होता है।

घ. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए -

1. धर्म - भारत सभी संप्रदायों का सम्मान करता है।
2. मन की चाह के अनुरूप-अधिक परिश्रम द्वारा ही मनोवांछित सफलता प्राप्त होती है।
3. जीवंत- गतिशीलता चेतन अवस्था का प्रतीक है।
4. रोमांच पैदा करनेवाला- पहाड़ों पर घूमना बहुत रोमांचक होता है।
5. निंदा - हमें किसी की भी आलोचना नहीं करनी चाहिए।

भाषा-बोधः

क. निम्नलिखित शब्द वर्तनी की दष्टि से अशुद्ध हैं, इन्हें शुद्ध कीजिए -

परीक्षण, स्वप्न, मस्तिष्क, संतुलित, नियंत्रित, संपन्नता

ख.. संधि विच्छेद कीजिए -

1. हिमालयः = हिम+आलय
2. महात्मा = महा+आत्मा
3. प्रत्यंग = प्रति+अंग
4. संयम = सम्+यम

5. संशय = सम्+शय 6. अहंकार = अहम्+कार

ग. इसी प्रकार, नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य बनाइए –

1.	ओर	तरफ	पहाड़ के दोनों ओर नदी बह रही थी।
	और	तथा	मैं और मेरी सखियाँ रोज़ घूमने जाते हैं।
2.	चिता	शव जलाने हेतु लकड़ियों का ढेर	मृत की पिता जल रही है।
	चिंता	चिंतन करना	मुझे अपने बीमार मित्र के स्वास्थ्य की चिंता है।
3.	कुल	खानदान	भगवान राम रघुकुल के वंशज थे।
	कूल	किनारा	नदी के कूल पर कई लोग नहा रहे थे।
4.	सांस	श्वास	दादी को ठंड के मौसम में सांस लेने में परेशानी होती है।
	सास	पति की माँ	मीरा अपनी सास की बहुत सेवा करती है।
5.	अंक	गोद	शिशु माँ की अंक में खेल रहा था
	अंक	संख्या	वार्षिक परीक्षा में रवि ने बहुत अच्छे अंक प्राप्त किए।

घ. निम्नलिखित शब्दों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए –

		समास–विग्रह	समास का नाम
1.	महापुरुष	महान है जो पुरुष	कर्मधारय समास
2.	अंधविश्वास	अंधा है जो विश्वास	कर्मधारय समास
3.	अचेतन	न चेतन	नञ् तत्पुरुष समास
4.	महात्मा	महान है जो आत्मा	कर्मधारय समास
5.	परमात्मा	परम है जो आत्मा	कर्मधारय समास